राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 04 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-135 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

घाना में पीएम मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान, अब तक 24 देशों ने किया सम्मानित

नई दिल्ली।

भारत की बढ़ती वैश्विक साख और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक कुशलता ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। पीएम मोदी को अब तक 24 देशों से सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं, जो किसी भी भारतीय नेता के लिए रिकॉर्ड है। इनमें रूस का 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रू', यूएई का 'जायद मेडल', फ्रांस का 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर', मालदीव का 'रूल ऑफ इज्जुद्दीन' और नाइजीरिया, साइप्रस, फिजी जैसे देशों के प्रतिष्ठित पुरस्कार शामिल हैं।

घाना की राजधानी अक्रा में देखने को मिला, जहां पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से नवाजा गया। यह सम्मान विदेशी नेताओं को बहुत कम दिया जाता है और यह भारत-घाना के मजबूत रिश्तों का प्रतीक है। 30 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की घाना यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा किया। घाना की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत और घाना का रिश्ता सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास और साझा मूल्यों की नींव पर टिका है। यह सम्मान भारत की जनता के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने भारत-अफ्रीका सहयोग, सांस्कृतिक जुड़ाव और विकास की साझा यात्रा पर जोर दिया।

संयुक्त राष्ट्र ने भी उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार से सम्मानित किया था। ये सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत और प्रभाव का परिचायक हैं। पीएम मोदी की अगुवाई में भारत ने 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को अपनाते हुए वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत किया है। उनकी विदेश यात्राएं नए व्यापारिक अवसर, निवेश और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनी हैं।

घाना का यह सम्मान भारत के वैश्विक नेतृत्व की भूमिका को रेखांकित करता है।

पीएम मोदी ने न केवल भारत को एक

शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया, बल्कि वे विकासशील देशों के लिए प्रेरणा बन गए हैं। उनकी कूटनीति ने भारत को वैश्विक मंच पर एक भरोसेमंद और प्रभावशाली साझेदार बनाया है। यह सम्मान भारत के उभरते कद और विश्वास की गवाही है, जो आने वाले समय में और सशक्त होगा।

सीबीआई ने देश के छह राज्यों में मारे छापे, 6 लोगों को किया गिरफ्तार

रिश्वत लेकर मेडिकल कॉलेजों को अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट देने का है आरोप

नई दिल्ली।

सीबीआई ने रिश्वतखोरी के मामले में कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और मध्य प्रदेश में 40 से ज्यादा स्थानों पर छापे मारे। इस दौरान तीन डॉक्टरों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर रिश्वत लेकर मेडिकल कॉलेजों को अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट देने का आरोप है। सीबीआई ने यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित श्री रावतपुरा सरकार आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के अधिकारियों और बिचौलियों के खिलाफ की है। उन पर आरोप है कि इन लोगों ने मेडिकल कॉलेजों की मान्यता के लिए होने वाले वैधानिक निरीक्षण में हेरफेर की है। निरीक्षण करने वाले डॉक्टरों ने कथित तौर पर रिश्वत लेकर अनुकूल रिपोर्ट दी है। सीबीआई को सूचना मिली थी कि संस्थान के पदाधिकारी निरीक्षकों को प्रभावित कर रहे थे। इसके आधार पर सीबीआई ने जाल बिछाया और 55 लाख रुपए की रिश्वत के लेन-देन में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में इंडेक्स कॉलेज के प्रबंधक के ठिकानों पर भी छापा मारा। यह कार्रवाई तड़के 3 बजे शुरू हुई और सुबह 8 बजे तक चली। सीबीआई ने इस ऑपरेशन को पूरी तरह गुप्त रखा और जानकारी को एक्स पर पोस्ट कर सार्वजनिक किया। गिरफ्तार आरोपियों को संबंधित अदालतों में पेश किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट में सीबीआई के मुताबिक आरोपियों ने निरीक्षकों को रिश्वत देकर निरीक्षण प्रक्रिया में हेरफेर किया है। रिश्वत की राशि बेंगलुरु पहुंचाई गई थी। इस मामले में कई राज्यों में तलाशी अभियान जारी है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक जांच अभी चल रही है और जल्द ही कई खुलासे हो सकते हैं।

भारत ने फिर की सख्ती- बैन हुए पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया हैंडल

नई दिल्ली।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। उनमें पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को बैन करने जैसी कार्रवाई भी शामिल है। हालांकि बुधवार को उनके अकाउंट अनब्लॉक किए गए थे, लेकिन इसके एक दिन बाद ही एक बार फिर से ब्लॉक कर दिए गए हैं। गुरुवार सुबह से ही शाहिद अफरीदी, मावरा होकेन, युमना जैदी, हानिया आमिर और फवाद खान जैसे लोकप्रिय सितारों के इंस्टाग्राम और ट्विटर अकाउंट्स भारतीय यूजर्स के लिए बैन हो गए हैं। सरकार की ओर से बैन हटाने या दोबारा लागू करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि यह कदम स्थायी है या अस्थायी। पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के खिलाफ यह प्रतिबंध भारत के सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगाया गया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। भारत के द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ उठाए गए कदमों की कई पाकिस्तानी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर आलोचना की थी, जिसके बाद भारतीय यूज़र्स के लिए उनके अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया था। बुधवार को इन सितारों के अकाउंट्स कुछ घंटों के लिए फिर से भारत में दिखाई देने लगे थे, जिससे लगा कि शायद सोशल मीडिया बैन हटा लिया गया है। लेकिन गुरुवार सुबह तक भारतीय यूज़र्स को इंस्टाग्राम पर संदेश दिखने लगा जिसमें लिखा आ रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने इस सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए कानूनी अनुरोध का अनुपालन किया है। बुधवार को अचानक इन अकाउंट्स के लौटने पर फैंस ने आश्चर्य जताया और सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। लेकिन एक दिन बाद ही दोबारा बैन लग जाने से अब यूजर्स में नाराजगी और भ्रम की स्थिति है।

अमरनाथ यात्रा शुरू: बाबा बर्फानी की गुफा में हुई पहली आरती

पहलगाम और बालटाल से जत्थे हुए रवाना, अब तक 3.5 लाख श्रद्धालु हुए पंजीकृत

जम्मू।

देश की सबसे पवित्र धार्मिक यात्राओं में से एक अमरनाथ यात्रा आज गुरुवार से विधिवत तौर पर प्रारंभ हो गई। बाबा बर्फानी की गुफा में आज पहली आरती की गई, जिसकी झलकियाँ सामने आई हैं। मंत्रोच्चारण के बीच गुरुवार भोर में हुई इस आरती में श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों के साथ भाग लिया।

यहां भक्तों का जत्था आज बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से रवाना हुआ। इससे पहले बुधवार को जम्मू के भगवती नगर कैंप से 5,892 श्रद्धालुओं का पहला जत्था जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रवाना किया था। कश्मीर पहुँचने पर प्रशासन और स्थानीय नागरिकों ने श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। 38 दिन चलने वाली यह यात्रा 9 अगस्त, रक्षाबंधन के दिन सम्पन्न होगी। इस बार अब तक 3.5 लाख से अधिक श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। पिछले वर्ष यह यात्रा 52 दिनों तक चली थी, जिसमें 5 लाख से अधिक लोगों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे।

अमरनाथ यात्रा के दो प्रमुख मार्ग हैं, इनमें एक पहलगाम रुट है जबकि दूसरा बालटाल मार्क है। बात पहलगाम रुट की करें तो यह मार्ग अपेक्षाकृत सरल है लेकिन इसमें तीन दिन लगते हैं। इसमें पहला पड़ाव- चंदनवाड़ी (बेस कैंप से 16 किमी) है, इसके बाद पिस्सू टॉप→ शेषनाग (9 किमी), पंचतरणी (14 किमी) है और पंचतरणी से गुफा तक की दूरी मात्र 6 किमी रह जाती है।

अब बालटाल रूट की बात करते हैं तो इसमें समय कम होने पर यह मार्ग उपयुक्त होता है। दरअसल इससे अमरनाथ की दूरी केवल 14 किमी है। इसमें कठिनाई है और वह यह कि खड़ी चढ़ाई, संकरे व खतरनाक मोड़ हैं।

साहेबगंज में बड़ा रेल हादसा: पहाड़ी से फिसलकर मालगाड़ी पलटी, 18 बोगियां पटरी से उतरीं

साहेबगंज।

झारखंड के साहेबगंज जिले के बरहरवा रेलवे क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा रेल हादसा हुआ। पत्थर चिप्स से लदी मालगाड़ी, जो मालदा रेल मंडल के अधीन थी, बरहरवा हिल अपर साइड पर खड़ी थी। अचानक पहाड़ी ढलान के कारण गाड़ी फिसलने लगी और बेकाबू होकर पलट गई, जिससे 18 बोगियां पटरी से उतर गईं।

इस घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, कि मालगाड़ी के बेकाबू होते ही एक-के-बाद-एक बोगियां आपस में टकराने लगीं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई बोगियां पटरी से उतरकर बस्ती की ओर जा गिरीं। पत्थरों से भरी बोगियों के पलटने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि पत्थर चारों ओर बिखर गए थे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

हादसे में कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ, जो एक बड़ी राहत की बात है। हालांकि, इस दुर्घटना में रेलवे को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। कई बोगियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। माल (पत्थर चिप्स) बिखरकर बेकार हो गया है। घटना के बाद मालदा रेल मंडल के अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य जारी है, लेकिन अधिकारियों के देर से पहुंचने पर स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का कहना था इतनी बड़ी दुर्घटना के बावजूद रेलवे प्रशासन की प्रतिक्रिया धीमी रही। अगर बोगियां बस्ती में गिरतीं, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। यह तो भगवान का ही शुक्र है कि किसी की जान नहीं गई। रेल हादसे के बाद इस मार्ग पर रेल यातायात अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ है।

लखीसराय ने 32वां स्थापना दिवस धूम-धाम से मनाया

पटना।

बिहार के जिले लखीसराय ने 32वां स्थापना दिवस धूम-धाम से मनाया। इस मौके पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मुख्य समारोह का उद्घाटन किया। स्थापना दिवस की शुरुआत विकास दौड़ से हुई, जिसमें जनप्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर आयोजित विकास मेले में विभिन्न सरकारी विभागों ने जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए। उपमुख्यमंत्री ने मेले का भ्रमण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचे। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने कहा कि लखीसराय शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने लखीसराय को समग्र विकास का मॉडल बनाने का लक्ष्य दोहराते हुए कहा कि यहां की सांस्कृतिक विरासत और जनसहभागिता इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आम नागरिकों से सरकारी योजनाओं से जुड़ने और जिले के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह भी किया।

राजा की हत्या में नरबलि का लिंक, असम पुलिस ने मौसेरी बहन सृष्टि के खिलाफ केस दर्ज किया

इंदौर।

इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस में असम पुलिस ने राजा की मौसेरी बहन सृष्टि रघुवंशी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामले में एक पुराने वीडियो को आधार बनाया है। इसमें सृष्टि ने दावा किया था कि राजा की हत्या असम में नरबलि के तहत हुई है। मामले में कामाख्या मंदिर के पुजारी सरू डोलोई हिमाद्रि का कहना है कि जब भी कामाख्या मंदिर के आसपास कोई हत्या का मामला होता है, तब इसतरह से मंदिर में मानव बलि का मुद्दा उठाया जाता है। इससे आरोपों से यहां के लोगों की भावनाएं भी आहत होती हैं। पुजारी का कहना है कि राजा की नरबलि का दावा धार्मिक भावनाएं भड़काने और क्षेत्रीय तनाव पैदा करने वाला है। पुलिस ने राजा की बहन सृष्टि पर केस दर्ज किया है। वहीं, राजा के भाई विपिन ने कहा कि इस मामले में हमें कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, नरबलि की आशंका राजा की मां उमा और भाई विपिन भी जता चुके हैं। बात दें कि राजा के लापता होने से लेकर शव बरामद होने तक सृष्टि सोशल मीडिया पर सक्रिय रही थी और मदद की गुहार लगाती रही। तभी सृष्टि ने एक वीडियो में नरबलि जैसा बयान दिया, जो अब विवाद में आ गया है। मामले के तूल पकड़ने के बाद सृष्टि ने माफी मांगते हुए कहा कि बयान भावुक होकर दिया था। उसका उद्देश्य किसी धर्म या समुदाय की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। सृष्टि के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा कि सृष्टि पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुकी है।

मणिपुर- तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल। मणिपुर के इंफाल घाटी जिलों में सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के मैत्रम इलाके से प्रतिबंधित प्रेपक (प्रो) संगठन के एक सदस्य को गिरफ्तार किया जिसकी पहचान ओइनम हेमनजीत सिंह के रूप में हुई है।इंफाल पूर्वी जिले के सेकमाइजिन मानिंग लेईकाई इलाके से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (पीडब्ल्यूजी) संगठन से जुड़े एक उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी की पहचान ओइनम तोम्बा सिंह (57) के रूप में हुई जो काकचिंग और थौबल जिलों में विभिन्न पेट्रोल पंपों से जबरन वसूली की गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने काकचिंग जिले के एलांग खांगपोकपी अवांग लेईकाई से पीडब्लूजी के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया जिसकी पहचान लौरेम्बम सुरेश (47) के रूप में हुई है।

भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी गई

देहरादून।

उत्तराखंड में सोनप्रयाग के पास मुनकटिया में भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने गौरीकुंड से लौट रहे करीब 40 फंसे हुए केदारनाथ तीर्थयात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया। रुद्रप्रयाग पुलिस ने सूचित किया है कि सड़क साफ होने के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। वार्षिक चार धाम यात्रा, जिसमें केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की तीर्थयात्राएं शामिल हैं, हिंदू धर्म में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक यात्राओं में से एक है।

उत्तराखंड में लगातार भारी भारी बारिश के कारण व्यापक व्यवधान जारी है। चमोली पुलिस के अनुसार, ताजा भूस्खलन के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग उमट्टा में अवरुद्ध हो गया है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सड़क संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके कुछ हिस्से बह गए हैं। उत्तरकाशी पुलिस ने बताया है कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग दो स्थानों पर अवरुद्ध है और इसे बहाल करने में समय लग सकता है। इस वर्ष केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की अभूतपूर्व आमद देखी गई है, जिसका श्रेय बेहतर सुविधाओं और बढ़ती आध्यात्मिक रुचि को दिया जा रहा है। अधिकारियों ने उच्च ऊंचाई वाली यात्रा को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा और चिकित्सा प्रतिक्रिया टीमों को भी तैनात किया है।

बारिश का कहर: तिनके की तरह बह गए 148 घर, 29 हुए लापता, 13 शव बरामद

मंडी।

हिमाचल के मंडी जिले में बारिश का जमकर कहर बरश रहा है। जमीन धसने और बादल फटने से यहां भारी नुकसान हुआ है। हालात ये हैं कि बाढ़ के सैलाब में 148 घर तिनके की तरह बह गए और 29 लोग लापता हो गए। इसमें से 13 शव बरामद कर लिए गए हैं जबकि सैकड़ों लोग राहत शिविरों में रात बिताने को मजबूर हैं। जिले के 12 उपमंडलों में कुल मिलाकर 13 लोगों की मौत, 29 लोग लापता और 154 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। कुल 148 मकान, 104 गोशालाएं और 162 पशुओं की मौत की पुष्टि प्रशासन ने की है। मंडी आपदा प्रबंधन ने 2 जुलाई की शाम तक की रिपोर्ट जारी की है। इसमें पूरी जानकारी दी है।

थुनाग उपमंडल में सबसे ज्यादा असर पड़ा और यहां 1 मौत और 11 लापता हैं। थुनाग में 40 मकानों और 30 वाहनों को नुकसान पहुंचा है और 6 पुल टूट गए हैं। प्रशासन की तरफ से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में 120 लोग, जीपीएस थुनाग 80 लोग को ठहराया गया है। वहीं, वायुसेना ने यहां से दो गर्भवती महिलाओं को हेलिकॉप्टर से सुरक्षित निकाला है। करसोग उपमंडल में अब लोगों की 2 मौत हुई है और बुधवार को 30 से ज्यादा लोग रेस्क्यू किया गया। यहा पर 27 मकान, 9 गोशालाएं ध्वस्त हो गई हैं। और 19 पशुओं की भी मौत हुई है। 1 छोटी पुलिया टूट गई है।फिलहाल, प्रशासन ने यहां पर 1,23,000 रुपए राहत राशि बांटी है।

जिले के धर्मपुर अपमंडल की लौंगणी पंचायत के स्थाठी गांव में 17 परिवारों को रेस्क्यू किया गया है। यहां पर 26 मकान, 31 गोशालाएं ध्वस्त हो गए हैं। 76 पशु काल के मुंह में समा गए। यहां पर कांढापतन में लोहे का पुल क्षतिग्रस्त और त्रियाम्बला मंदिर और नयना देवी मंदिर में राहत शिविर में 61 लोगों को ठहराया गया है। गोहर में सियूं और बडा गांव में 6 मौतें अब तक हो चुकी हैं। 1 शख्स लापता है। उधर, बुधवार को 29 लोगों को रेस्क्यू किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेरहम बरसात का कहर खौफनाक मंजर कब थमेगा

(लेखक- नरेन्द्र भारती)

बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे रही है जख्म तो भर जाएगें मगर निशान अमिट रहेगें। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर जारी है । 56 लोग लापता हैं और 19 लोगों की मौत हो चुकी है सैंकडों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए।देवभूमि में प्रकृति ने काफी खौफनाक तांडव हो रहा है द्य कुल्लू के बंजार मे 250 सैलानी को सुरक्षित निकाल दिया द्ब द्य प्रदेश में.245 सड़के बंद हो चुकी हैं और 918 बिजली के ट्रांसफार्मर ध्वत हो चुके हैं 683 पेयजल योजनाएं तबाह हो गई हैं द्यजून महीने से ही यह बरसात शुरू हो गई है ।बरसात ने खौफनाक रौद्र रुप दिखा रही है।बरसात जिंदगियां लील रही है।सैंकड़ों लोग मौत के आगोश में समा चुके है।आशियाने जमींदोज हो रहे हैं। 30 जून 2025 की काली और खौफनाक रात को गोहर के सयाँज मे बादल फटने से परिवार के नौ लोग जमीदोज हो गए हैं द्य करसोग मे भी तीन लोगों की मौत हो गईं है चारों तरफ तबाही की इबारत लिखी जा रही है अभी तो जुलाई और अगस्त महीने मे पता नहीं कितने लोगों को प्रकृति मौत की गोद सुला देगी प्रकृति के इस खौफ से जनमानस खौफजदा है द्यकुल्लू के सेंज गाँव मे चार दिन पहले बादल फटा था जिसमें बाप बेटी की दर्दनाक मौत हो गई थी द्य गत वर्ष 26 सितबर को रोनहाट में आधी रात को भूस्खलन होने से एक घर दब गया और उसमें छह लोगों की मौत हो गई थी दबने वालों में चार बच्चे व पति पत्नी थे। यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ।24 घंटों में 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।20 अगस्त 2022 की रात को हिमाचल के लोग कभी नहीं भूल पाएगें।20 अगस्त को मंडी के गोहर के काशन में एक मकान जमींदोज हो गया था जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे।एक घर से जब आठ अर्थियां उठी थी तो कायनात कांप उठी थी। बरसात का ऐसा कहर 2018 में हुआ था।चार साल बाद बरसात ने लोगों को एक बार फिर रौद्र रुप दिखाकर तबाही का मंजर दिखाया।बरसात में कहीं भूस्खलन हो रहा था तो कहीं पहाड़ दरक रहे थे।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा था। प्रदेश की संडकें धंस रही थी।गांड़ियां फिसल रही थी।भांबला में खुडडी नाला में एक युवक तेज बहाव में बह गया था मगर लोगों ने बह रहे युवक को 200 मीटर दूर बचा लिया था।युवक की स्कूटी नाले में बह गइ थीं।आनी में भी भूस्खलन से श्रध्द्वालुओं की कार पर पत्थर गिरने से हादसा हो गया भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हो गए थे।मवेशी व बकरियों की दबने से मौतें हो रही है।गौशाला गिरने से 2 मवेशियों व 20 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं। मणिकर्न में पिछले दिनों बादल फटने से काफी तबाही हुई थी कुछ लोग लापता हो गए थे।मानसून का कहर लोगों को मौत बांट रहा है। हिमाचल प्रदेश को अब तक करोड़ों का नुक्सान हो चुका है।मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक काफी लोग अपनी जान गंवा चुके है व लोग घायल हुए हैं।मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं।गत वर्ष 25 जुलाई को किन्नौर जिला में भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे।चार दिन पहले भरमौर में भी भूस्खलन के कारण कार दब गई भी और एक ही परिवार के चार लोग मारे गए थे।बारिश की तबाही से अब तक दो दर्जन लोगों की जान जा चुकी है और यह कहर जारी है। गत वर्ष भी ऐसे हादसों से हिमाचल में तबाही हुई थी।गत वर्ष शिमला में भूस्खलन होने से 4 लोगों की दबकर मौत हो गई थी और कुमारसैन में दो मजदूरों की मौत हो गइ थीं।नालागढ़ में भी मकान पर डंगा गिरने से 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं।गत वर्ष लाहौल स्पीति में करीब 2000 पर्यटक फंसे थे।प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो रहे है।कुल्लु ,मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है।प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांड़व मचाया है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में प्रदेश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गइ थीं।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है।किन्नौर में पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है।हर राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश़ में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। पिछले साल बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए थे।अगर यह मलवा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते।इससे पहले 2017वर्ष की12 अगस्त की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौंगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था।पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटड़ा जा रही दो बसें दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए। बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-संम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए बसें जमीदोज हो गई थी । 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरासाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी।अभागे यात्री अपने गतब्व पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। देश में कभी भूकंप, तो कभी बाढ़ जैसी आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है।लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय-समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते।हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रऊीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय -समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी ही होगी, छेड़छाड़ बंद करनी होगी।

संपादकीय

जानलेवा जाम

निस्संदेह, हाल के वर्षों में भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि का आशातीत विस्तार हुआ है। सड़कों के नेटवर्क सुधार से उपभोक्ताओं के समय व धन की बचत हुई है तो उद्योग-व्यापार को भी गति मिली है। लेकिन इससे जुड़ी तमाम विसंगतियां भी सामने आई हैं। सड़कों के त्रुटिपूर्ण डिजाइन व निर्माण में चूक को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। पिछले हफ्ते मध्यप्रदेश में लगातार 40 घंटे लगे जाम से जहां हजारों लोगों को घंटों परेशान होना पड़ा, वहीं जाम में फंसकर तीन लोगों की मौत हुई है। निश्चय ही यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसको लेकर शासन-प्रशासन के साथ ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई को गंभीरता से लेना चाहिए। उन तमाम आशंकाओं को टालना चाहिए जो भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति के कारक बन सकते हैं। बहरहाल, मध्यप्रदेश की घटना को लेकर एनएचएआई की आलोचना की जा रही है। इस घटना के बारे में एनएचएआई के एक अधिकारी की संवेदनहीन टिप्पणी को लेकर भी सवाल उठे हैं। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआई के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। दरअसल, एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने एनएचएआई को दोषपूर्ण और देर से सड़क निर्माण के लिये फटकार लगायी है, जिसके कारण आगरा-मुबई राष्ट्रीय राजमार्ग के इंदौर-देवास खंड में जाम लग गया था। बताते हैं कि एनएचएआई के कानूनी सलाहकार ने इस बाबत संवेदनहीन टिप्पणी की कि लोग बिना किसी काम के घर से इतनी जल्दी क्यों निकलते हैं? इस टिप्पणी ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया। निश्चित रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में फंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआई की तरफ से माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये दोष लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। जिसके खिलाफ तल्ख प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक था। यही प्रतिक्रिया अदालत की टिप्पणी में भी झलकती है। इसमें दो राय नहीं कि अकसर बड़ी सड़कों और राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण के दौरान अंतहीन असुविधा भारतीय यात्रियों के लिए रोजमर्रा के अनुभव हैं। अधिकांश साइटों पर निर्माण से जुड़ी, यात्रियों के अनुकूल सर्वोत्तम परंपराओं को अपनाना और यातायात में व्यवधान को कम से कम करना सुनिश्चित नहीं किया जाता है। निस्संदेह, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय संभाल रहे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की सक्रियता व प्रतिबद्धता की अकसर सराहना होती रहती है। वे सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा मापदंडों को बढ़ाने को लेकर लगातार अभियान चलाते भी रहते हैं। हालांकि, वे भी मानते रहे हैं कि अभी सुधार की काफी गुंजाइश है। निस्संदेह, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण निरंतर यातायात को सुगम मानकों के अनुरूप बनाने के लिये प्रयासरत रहता भी है। निश्चित रूप से स्थलों की स्थिति और भूमि अधिग्रहण के तमाम विवाद भी हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण काम राजमार्गों की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर किया जाना होना चाहिए। दरअसल, योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन बड़े पैमाने पर निर्माण फर्मों और ठेकेदारों के माध्यम से किया जाता है। जिसमें व्यापक अनुभव, क्षमता और नैतिकता जैसे कारक मिलकर भूमिका निभाते हैं। निस्संदेह, काम की गुणवत्ता समस्याओं के समाधान में मददगार साबित हो सकती है। लेकिन जरूरी है कि इस काम में बाह्य हस्तक्षेप राजनीतिक व अन्य स्तर पर न हो।

देश में नशे के सौदागरों का बढ़ता जाल

(लेखक- डॉ. सत्यवान सौरभ)

भारत में नशे का संकट अब व्यक्तिगत बुराई नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा बन चुका है। ड्रग माफिया, तस्करी, राजनीतिक संरक्षण और सामाजिक चुप्पी—सब मिलकर युवाओं को अंधकार में ढकेल रहे हैं। स्कूलों से लेकर गांवों तक नशे की जड़ें फैल चुकी हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य नहीं, सोच और सभ्यता का संकट है। समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना, संवाद, शिक्षा और सामाजिक नेतृत्व से आएगा। अगर आज हम नहीं जगे, तो कल हम एक खोई हुई पीढ़ी का मातम मनाएंगे।

भारत आज एक दोहरी लड़ाई लड़ रहा है—एक तरफ तकनीक और विकास की उड़ान है, और दूसरी ओर समाज के भीतर नशे का अंधकार फैलता जा रहा है। नशा अब सिर्फ एक व्यक्तिगत बुराई नहीं रह गया, बल्कि यह एक संगठित उद्योग, एक अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र और एक सामाजिक महामारी का रूप ले चुका है। देश के गाँव से लेकर शहर तक, स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक, और अमीरों की पार्टियों से लेकर गरीबों की गलियों तक, नशे के सौदागर अपना जाल फैलाए बैठे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अब यह जाल केवल शराब या गांजे तक सीमित नहीं रहा। सिंथेटिक ड्रग्स, केमिकल नशे, हेरोइन, ब्राउन शुगर, कोकीन जैसे घातक पदार्थ अब भारत के युवाओं के जीवन को खोखला कर रहे हैं। पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, मणिपुर, गोवा जैसे राज्यों में तो यह जहर सामाजिक ताने-बाने को चीर चुका है। एक ओर सरकार युवाओं को स्किल्ड बनाने की बात करती है, दूसरी ओर लाखों नौजवान नशे की गिरफ्त में अपनी ऊर्जा, जीवन और भविष्य गंवा रहे हैं।

नशे के पीछे एक पूरा तंत्र सक्रिय है—पैसे के लिए इंसानियत का सौदा करने वाले ड्रग माफिया, पुलिस और राजनीति में मिलीभगत, विदेशों से आने वाली तस्करी की खेप, और स्थानीय स्तर पर युवाओं को इस दलदल में धकेलने वाले एजेंट। ये सब मिलकर देश को अंदर से खोखला कर रहे हैं। यह कोई संयोग नहीं कि हर बड़ी ड्रग बरामदगी के पीछे किसी न किसी रसूखदार का नाम सामने आता है, लेकिन मामला वहीं दबा दिया जाता है।

एक वर्ग ऐसा भी है जो नशे को लाइफस्टाइल का हिस्सा मानने लगा है। ऊंचे दर्जे की पार्टियों में ड्रग्स फैशन बन चुकी है। वहां कोई इसे सामाजिक अपराध नहीं मानता, बल्कि 'कूलनेस' का प्रतीक बना दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ गरीब युवा—जो बेरोजगारी, हताशा और टूटी हुई उम्मीदों के शिकार हैं—उन्हें नशा एक अस्थायी राहत की तरह दिखता है। दोनों ही हालात समाज को विनाश की ओर ले जा रहे हैं।

स्कूलों और कॉलेजों में नशा जिस तरह से प्रवेश कर चुका है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गहरी चेतावनी है। कई रिपोर्टें बताती हैं कि स्कूल के बच्चे तक ड्रग्स की चपेट में हैं। छोटे-छोटे पाउच, चॉकलेट जैसे पैकेट्स, खुशबूदार पाउडर—इनके ज़रिए नशा परोसा जा रहा है। और जब बच्चे इसकी गिरफ्त में आते हैं, तो परिवार, शिक्षक और समाज—सभी असहाय हो जाते हैं।

भारत के संविधान ने हमें एक 'स्वस्थ राष्ट्र' का सपना दिया था, लेकिन जिस देश के युवा ही बीमार और नशे में हों, उस राष्ट्र की कल्पना कैसे साकार होगी? युवा ही देश की रीढ़ होते हैं—यदि वही झुक जाएं, टूट जाएं या खोखले हो जाएं, तो देश भी खड़ा नहीं रह सकता।

नशा केवल शरीर को नहीं, आत्मा को भी मारता है। यह निर्णय क्षमता को खत्म करता है, रिश्तों को तोड़ता है, अपराध को जन्म देता है और समाज में हिंसा और उदासी का माहौल फैलाता है। नशे की लत में पड़ा व्यक्ति अपने परिजनों के लिए बोझ बन जाता है। वह चोरी करता है, झूठ बोलता है, आत्महत्या तक कर लेता है।

यह एक मात्र स्वास्थ्य या क़ानून व्यवस्था की समस्या नहीं है—यह नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संकट है।

माफिया नेटवर्क में पुलिस और राजनीतिक संरक्षण की बात करना कोई षड्यंत्र नहीं है, बल्कि कई बार कोर्ट और जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड में यह स्पष्ट रूप से सामने आ चुका है। [illegible] एक्ट ([illegible]) जैसे कानून मौजूद हैं, लेकिन इनका क्रियान्वयन बेहद कमजोर और पक्षपाती है। कई मामलों में पकड़ में आए ड्रग तस्करों को तकनीकी खामियों के चलते छोड़ दिया जाता है। वहीं गरीब या छोटे उपयोगकर्ता जेल में सड़ते हैं।

सरकारें अक्सर ड्रग्स के खिलाफ जागृति अभियान, स्लोगन प्रतियोगिता, या परेड जैसे प्रतीकात्मक कार्यक्रम करती हैं, लेकिन सवाल है कि क्या इससे कुछ बदलता है? ज़रूरत है एक मजबूत नीति, ईमानदार क्रियान्वयन और सबसे बड़ी बात—राजनीतिक इच्छाशक्ति की।

नशे की तस्करी अक्सर सीमावर्ती इलाकों से होती है—पंजाब-पाकिस्तान सीमा, मणिपुर-म्यांमार सीमा, गुजरात समुद्री तट और मुंबई बंदरगाह जैसे स्थानों से। इन इलाकों में हाई अलर्ट की जरूरत है, लेकिन अक्सर सुरक्षा तंत्र या तो लापरवाह होता है या भ्रष्ट। पिछले कुछ वर्षों में टनों की मात्रा में ड्रग्स पकड़े जाने के बावजूद, ड्रग लॉर्ड्स पर कार्यवाही न के बराबर हुई है। इससे अपराधियों का मनोबल और बढ़ता है।

इसमें मीडिया की भूमिका भी कमज़ोर रही है। कुछ चुनिंदा मामलों में मीडिया टीआरपी के लिए ड्रग्स ड्रामा दिखाता है, लेकिन अधिकतर समय वह इस गंभीर मुद्दे को उपेक्षित छोड़ देता है। और जब बॉलीवुड जैसी चमकती दुनिया में ड्रग्स की चर्चा होती है, तो उसे भी 'गॉसिप' बना दिया जाता है, असल सामाजिक विमर्श नहीं।

इस पूरे संकट का सबसे दुखद पहलू यह है कि इससे जुड़ा व्यक्ति अकेला नहीं मरता—उसके साथ पूरा परिवार, और धीरे-धीरे एक पीढ़ी मुरझा जाती है। मां-बाप अपनी औलाद को नशे में खोते हैं, भाई-बहन रिश्तों की राख में बदल जाते हैं, और गांव-शहर अपने युवाओं को खोकर बस मौन शोक में डूब जाते हैं।

समाधान केवल दवाओं या जेलों में नहीं है। समाधान है—सशक्तिकरण में, संवाद में, शिक्षा में, और सामूहिक सामाजिक प्रयास में।

(चिंतन-मनन)

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है।

सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी।

मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

विचार मंथन

भारत में क्रोनी पूंजीवाद से लोकतंत्र सरकार भरोसे

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा उसकी विविधता, समानता और न्यायप्रिय व्यवस्था में बसती है। पिछले कुछ वर्षों में लोकतंत्र की आत्मा एकाधिकार के खतरनाक रोग से ग्रसित हो चुकी है। क्रोनी पूंजीवाद वह स्थिति है, जब सत्ता और पूंजी का गठजोड़, नीति निर्धारण से लेकर संसाधनों के वितरण लोक तांत्रिक मूल्यों को दरकिनार कर सरकार के सहारे पूंजीवाद खड़ा हो जाता है। भारत में यह बीमारी धीरे-धीरे नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से बड़ी तेजी के साथ फैलाई गई है। बड़े उद्योग पतियों और पूंजीपतियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। जब सत्ता कुछ हाथों में कैद हो जाती है। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र की परिभाषा बदल जाती है। सत्ता जब तक एक व्यक्ति के इशारे पर संचालित होने लगती है। उस समय कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका पर भी एक व्यक्ति का नियंत्रण हो जाने से जिस तरह की स्थिति 1975 में आपातकाल के समय बनी थी। कमोवेश वहीं स्थिति वर्तमान में देखने को मिल रही है। आम नागरिक विशेषकर गरीब, किसान, मजदूर, आदिवासी एवं मध्यम वर्ग हाशिए पर धकेल दिए गया है। किसानों की ज़मीन विकास के नाम पर जबरन अधिग्रहित की जा रही हैं। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को उनकी पारंपरिक ज़मीन से उजाडा जा रहा है। यह सब तथाकथित 'विकास' के नाम पर किया जा रहा है। सच्चाई यह है, यह विकास कुछ गिने-चुने औद्योगिक घरानों की तिजोरी भरने का माध्यम बन गया है। इसमें केंद्र एवं राज्य सरकारों का समर्थन और मिली भगत है। लोकतंत्र का उद्देश्य जहां सभी को समान अवसर और समान अधिकार देने का था। आज केंद्र एवं राज्य सरकारें दो तरह के नियम बनाती हैं। दो तरह की नीति का निर्माण करती हैं। एक गरीबों के लिए होती है।

एक पूंजीपतियों के लिए होती है। केंद्र एवं राज्य सरकारों में पूंजीपतियों के हित सर्वोपरि हो गए हैं। राजनीतिक रसूखदारों और पूंजी पतियों की मिलीभगत से गरीबों की आवाज़, सरकार और प्रशासन द्वारा दबाई जा रही है। अब इस खेल में कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भी भूमिका दिखने लगी है। न्यायपालिका में भी गरीबों के लिए अलग और अमीरों के लिए अलग नियम और निर्णय देखने को मिल रहे हैं। आम आदमी और मध्यम वर्ग को न तो समय पर न्याय मिल पाता है। न ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिल पाता है। उनके भाग्य में केवल चक्कर काटना, तारीख पर तारीख लिखा रहता है। जब सरकारें नीतियां बनाती हैं। उस समय सिर्फ कॉरपोरेट लॉबी से सरकार और उनके अधिकारी सलाह लेते हैं। मजदूर संगठनों, किसान यूनियनों और जिस वर्ग के लिए कानून बनाए जाते हैं, उनको दरकिनार किया जा रहा है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सीधा प्रहार है। मीडिया और डिजिटल प्रचार-तंत्र के ज़रिए आम जनता को भ्रमित किया जाता है।

सही सूचानाएं आम आदमी तक नहीं पहुंच रही है। असली मुद्दों, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी और सामाजिक सुरक्षा से ध्यान हटाने के लिए तरह-तरह के प्रयास किए जाते हैं। पिछले एक दशक में एक पूरी पीढ़ी असमानता और अन्याय के माहौल में बड़ी हो रही है।उसे तरह-तरह की अफीम धर्म राष्ट्रीयता और सपनों के रूप में पिलाई जा रही है। तरह-तरह की नशे में उद्वलित युवा पीढ़ी अपने अच्छे और बुरे का ज्ञान नहीं रहा। ऐसी स्थिति में भारतीय संविधान और लोकतंत्र की जड़ें खोखली होने लगी हैं। अब वक्त आ गया है, क्रोनी पूंजीवाद के इस घातक गठजोड़ पर लगाम लगाई जाए। लोकतंत्र को केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं किया जा सकता। चुनाव की निष्पक्षता तथा सभी राजनीतिक दलों को एक समान अवसर मिले। सभी राजनैतिक दल जनता तक अपनी बात जा सकें। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन सेशन ने इसका ध्यान रखा था। नीति निर्माण में जब तक सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित नहीं होगी। गरीबों तथा मध्यम वर्ग की आवाज़ को शासन और प्रशासन में जगह नहीं मिलेगी। भारत का लोकतंत्र दिखावटी ढांचा ही बना रहेगा। असली ताकत सत्ता में बैठे हुए लोगों और पूंजीपतियों के हाथ में है। 1975 में आपातकाल के रूप में सत्ता की ताकत को के भारत की जनता ने 21 माह देखा था। कुछ उसी तरह के हालात क्रोनि पूंजीवाद के चलते पिछले एक दशक मैं आम जनता और मध्यम वर्ग को देखना पड़ रहे हैं। वर्तमान समय में सांसद और विधायक भी अपनी बात सांसद और विधानसभा में नहीं रख पा रहे हैं। इससे ज्यादा खराब स्थिति और क्या होगी। जनता को अपनी लड़ाई लड़ने के लिये स्वयं आगे आना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईटीएफ में पांच सालों में हुई पांच गुना बढ़ोतरी, निवेशकों की बनी पसंद

नई दिल्ली। भारत में एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स ने पिछले पांच सालों में रफ्तार पकड़ ली है। मार्च 2025 तक इनका एसेट अंडर मैनेजमेंट पांच गुना से बढ़कर 8.38 लाख करोड़ हो गया है, जो मार्च 2020 में मात्र 1.52 लाख करोड़ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईटीएफ अब कुल म्युचुअल फंड एयूएम का 13 फीसदी हिस्सा बन चुके हैं, जबकि 2020 में यह हिस्सा 7 फीसदी ही था। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में न केवल निवेश की राशि बढ़ी है, बल्कि स्कीम्स की संख्या भी तीन गुना हो गई। 2022 में सिल्वर-समर्थित कमोडिटी ईटीएफ के आगमन ने निवेशकों को और ज्यादा विकल्प दिए हैं। मार्च 2020 में जहां ईटीएफ में रिटेल निवेशकों की एयूएम सिर्फ 5,335 करोड़ थी, वहीं मार्च 2025 तक यह बढ़कर 17,800 करोड़ से ज्यादा हो गई है। वहीं रिटेल फोलियो की संख्या 23.22 लाख से उछलकर 2.63 करोड़ पर पहुंच गई यानी दस गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। ज़ेरोधा के सीईओ का मानना है कि यह रुझान भारतीय ईटीएफ सेक्टर की परिपक्वता का संकेत है। ईटीएफ में ट्रेडिंग भी तेजी से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2019-20 में ईटीएफ ट्रेडिंग वॉल्यूम 51,101 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर 3.83 लाख करोड़ हो गया यानी सात गुना से ज्यादा इसमें बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ पिछले एक साल में ही ट्रेडिंग वॉल्यूम दोगुना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल ईटीएफ निवेश का औसतन 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी आधारित ईटीएफ में है, जो दर्शाता है कि शेयर बाजार में हिस्सेदारी के लिए यह उत्पाद तेजी से निवेशकों की पसंद बन रहा है।

सोने में तेजी , चांदी में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतों में तेजी रही जबकि चांदी के वायदा कारोबार में नरमी रही। घरेलू बाजार में आज सोने की कीमतें 97,450 रुपये जबकि चांदी 1,07,450 रुपये के करीब रही। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर कुछ समय में ही ये नीचे आने लगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध गिरावट के साथ ही 97,389 रुपये के भाव पर पहुंच गया जबकि ये गत दिवसस 97,390 रुपये बंद हुआ था। आज यह अनुबंध 60 रुपये की तेजी के साथ ही 97,450 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,500 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 97,389 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल कर लिया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे

चांदी की चमक पड़ी फीकी

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का सितंबर अनुबंध आज 107 रुपये टूटकर 1,07,411 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,07,518 रुपये था। ये अनुबंध 61 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,457 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,7,457 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,07,313 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना चांदी की कीमतें शुरुआती तेजी के बाद नीचे आने लगीं। कामेक्स पर सोना 3,369 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,359.70 डॉलर प्रति औंस था। वहीं चांदी के वायदा भाव 36.79 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछला बंद भाव 36.72 डॉलर था।

मुकेश बना रहे नई कंपनी नाम रखा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड

यह जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी

नई दिल्ली।

रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड होगा। यह नई कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएलसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएलसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनकी मार्केटिंग करना है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से अलग है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश में भी कहा गया है कि यह कदम एक अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करेगा। मुकेश अंबानी पहले ही अपनी रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के लिए आईपीओ लाने का संकेत दे चुके हैं। कंपनी के लोगों का मानना है कि यह रीस्ट्रक्चरिंग रिटेल बिजनेस को शेयर बाजार में लाने की तैयारी है। एफएलसीजी बिजनेस को अलग करने से रिटेल कंपनी का वैल्यूएशन बेहतर होगा। फिलहाल रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) का वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर यानी करीब 8.5 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है, जो इसके आईपीओ को हाल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक बना सकता है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.32 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 85.67 रुपये पर बंद हुआ था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार बाजार में रुपया गत दिवस सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.28 के स्तर पर खुला। यह शुरुआती स्तर है और बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा है। वहीं स्थानीय शेयर बाजार में मजबूती और मानसून की प्रगति से कीमतों में स्थिरता बनने रहने की संभावनाओं के बीच विदेशी करेंसी बाजार में भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 25 पैसे मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं इसके बाद से ही इसें गिरावट आने लगी।

अब साइबर क्राइम या फाइनेंशियल फ्रॉड होने से पहले बैंक हो जाएंगे अलर्ट

आरबीआई ने सभी बैंकों को एफआरआई अपनाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। आरबीआई ने साइबर अपराध और फाइनेंशियल फ्रॉड को रोकने के लिए बैंकों को फाइनेंशियल फ्रॉड जोखिम संकेतक (एफआरआई) अपनाने के निर्देश दिए हैं। वाणिज्यिक बैंकों, लघु वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और सहकारी बैंकों से कहा गया है कि वह इस सिस्टम से इंटीग्रेट करें। ऐसा करने पर वास्तविक समय पर धोखाधड़ी के प्रयास का पता लगाने और तत्काल प्रतिक्रिया संभव हो पाएगी। देश में यूपीआई के व्यापक उपयोग को देखते हुए यह प्रणाली लाखों लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने का काम करेगी।

उधर, दूरसंचार विभाग ने आरबीआई के इस कदम का स्वागत किया है। एफआरआई एक जोखिम-आधारित इंडिकेटर है, जिसे मई में दूरसंचार विभाग की डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट ने लॉन्च किया था। यह संकेतक किसी मोबाइल नंबर के पुराने रिकॉर्ड के आधार पर रिस्क की श्रेणी को तय करता है। अगर किसी मोबाइल नंबर का फाइनेंशियल फ्रॉड में पहले इस्तेमाल किया गया है या उसके लिए प्रयास किया गया है तो उस मोबाइल नंबर को मध्यम, उच्च या बहुत उच्च जोखिम की श्रेणी में वर्गीकृत करता है।

वर्गीकरण की जानकारी राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, दूरसंचार विभाग के चक्षु प्लेटफॉर्म, बैंकों व अन्य वित्तीय संस्थानों से मिली खुफिया जानकारियों के आधार पर तैयार की जाती है। अब बैंकों से एफआरआई को जोड़े जाने पर भुगतान को रोका जा सकेगा। किसी भी भुगतान की स्थिति में बैंकों को जानकारी मिल सकेगी कि जिस नंबर पर ग्राहक द्वारा पैसा भेजा जा रहा है, वह नंबर सही है या फिर साइबर फाइनेंशियल फ्रॉड है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 170 और निफ्टी 48 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर हुए। वहीं गत दिवस भी बाजार में गिरावट रही थी। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 170.22 अंकों की गिरावट के साथ ही 83,239.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 48.10 अंकों के नुकसान के साथ ही 25,405.30 अंकों पर आकर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आये जबकि शेष 19 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आकर बंद हुए। वहीं इसी प्रकार निफ्टी 50 में से केवल 17 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और बची हुई 32 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा 0.98 फीसदी ऊपर आकर बंद हुए जबकि कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 1.91 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में इंफोसिस के शेयर 0.51 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.44 फीसदी, एनटीपीसी 0.36 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.36 फीसदी, , टाटा मोटर्स 0.29 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.29 फीसदी, आईटीसी 0.16 फीसदी, सनफार्मा 0.05 फीसदी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 0.05 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व के शेयरों में 1.38 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.30 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.80 फीसदी, टाइटन 0.76 फीसदी, ट्रेंट 0.76 फीसदी , एसबीआई 0.75 फीसदी, टीसीएस 0.66 फीसदी, भारती एयरटेल 0.59, एचसीएल टेक 0.43 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.40 फीसदी, पावरग्रिड 0.39 फीसदी, एलएंडटी 0.34 फीसदी, बीईएल 0.20 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.16 फीसदी , अल्ट्राटेक सीमेंट में 0.16 फीसदी की गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 68.28 अंक करीब 08 फीसदी बढ़कर 83,477.97 पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 19.30 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी उछलकर

25,472.70 पर पहुंच गया। बाजार जानकारों के अनुसार वीकली डेरिवेटिव एक्सपायरी के करण बाजार में अस्थिरता देखी गयी।

वहीं गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी बिकवाली जारी रखते हुए 1,561.62 करोड़ रुपए के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 3,036.68 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में बैंकॉक, चीन, जापान, सोल और जकार्ता के बाजार ऊपर आये। वहीं हांगकांग के बाजार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजारों में गत कारोबारी सत्र में डॉव जोन्स में 10.52 अंक की गिरावट रही और ये 44,484.42 पर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स 29.41 अंक बढ़कर 6,227.42 पर बंद हुआ और नैस्डैक 190.24 अंक बढ़त के साथ ही 20,393.13 पर बंद हुआ।

अगर करदाता ने छुपाई आय.....आयकर विभाग लगा देगा 200 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली।

अगर कोई करदाता अपनी आय छिपाता है, आय के स्रोत नहीं बताता या गलत तरीके से टैक्स छूट का दावा करता है, तब उस करदाता को भारी जुर्माना या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। चाहे यह गलती अनजाने में हो या जानबूझकर हुई हो, आयकर विभाग के पास गड़बड़ियों का पता लगाने के लिए मजबूत सिस्टम और सख्त दंड लगाने या मुकदमा चलाने का कानूनी प्रावधान मौजूद है। इस बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट बताते हैं कि कानून क्या कहता है और करदाताओं को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

सीए के अनुसार, आयकर अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के तहत जुर्माना इसपर निर्भर करता है कि गड़बड़ी किस प्रकार की है। यदि करदाता ने अपनी आय कम दिखाई है, तब कारदातों को उस अतिरिक्त आय पर देय टैक्स का 50 प्रतिशत जुर्माने के रूप में देना पड़ सकता है।

यदि कोई करदाता जानबूझकर गलत जानकारी देता है, जैसे फर्जी बिल या झूठे दावे करता है, तब उस आय पर देय टैक्स का 200 प्रतिशत जुर्माना लगाया जा सकता है। आय छिपाने के मामले में यह प्रावधान पुराने असेसमेंट वर्षों (वित्त वर्ष 2016-17 से पहले) के लिए लागू होता है। इसमें बचाए गए टैक्स का 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि कोई निवेश स्पष्ट रूप से घोषित नहीं किया गया है, तब उस पर 60 प्रतिशत टैक्स, सर्चार्ज और सेस के साथ-साथ 10 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाता है।

इतना ही नहीं अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर टैक्स चोरी करता है, तब उस पर मुकदमा चल सकता है। इसमें तीन महीने से लेकर सात साल तक की सजा हो सकती है, खासकर तब जब चोरी की गई टैक्स राशि 25 लाख से अधिक हो। इसके अलावा धारा 234ए, 234बीऔर 234सी के तहत भी ब्याज जुर्माना लगता है, जो कि टैक्स रिटर्न देर से भरने, टैक्स की कम अदायगी या अग्रिम कर समय पर नहीं देने के मामलों में लागू होता है।

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी फिर 9 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

वाशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने वैश्विक कार्यबल के 4 फीसदी यानी कि करीब 9000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। यह 2023 के बाद कंपनी की सबसे बड़ी छंटनी होगी। जून 2024 तक माइक्रोसॉफ्ट में करीब 2,28,000 कर्मचारी काम कर रहे थे। इस नई छंटनी की पुष्टि के लिए कंपनी ने रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट में एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विशेष रूप से बिक्री विभाग में हजारों कर्मचारियों हटाने की योजना बना रही है। इससे पहले मई 2025 में भी कंपनी ने करीब 6,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था। माइक्रोसॉफ्ट अकेली ऐसी कंपनी नहीं है जो इस तरह के फैसले ले रही है। अमेरिका में कई बड़ी कंपनियों ने आर्थिक अनिश्चितता और संचालन लागत में कटौती के चलते 2025 में छंटनियां की थी। कंपनियां अपनी संरचना को दुबारा व्यवस्थित कर ज्यादा कुशल बनने की कोशिश कर रही हैं।

पतंजलि के खिलाफ डॉबर इंडिया को मिली राहत, भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली।

योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने डाबर इंडिया लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई कर पतंजलि को डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ किसी भी तरह के भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया है।

दरअसल डाबर इंडिया ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि पतंजलि अपने टीवी विज्ञापनों के जरिए डाबर च्यवनप्राश को बदनाम कर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही है।

डाबर इंडिया का आरोप है कि पतंजलि ने डाबर के उत्पाद को साधारण बताकर उसकी छवि खराब करने की कोशिश की। इसके अलावा, पतंजलि के विज्ञापन में इस बात का दावा किया गया कि उनका च्यवनप्राश 51 से अधिक जड़ी-बूटियों से बना है, जबकि डाबर के अनुसार इसमें केवल 47 जड़ी-बूटियां हैं। इस पर डाबर ने आरोप लगाया कि पतंजलि के उत्पाद में पारा मिला हैं, जो बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है।

डाबर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने बताया कि पतंजलि ने भ्रामक और गलत दावा कर यह जताने की कोशिश की कि वहीं एकमात्र असली आयुर्वेदिक च्यवनप्राश बनाता है, जबकि डाबर जैसे पुराने ब्रांड को साधारण साबित करने में लगा है। वहीं पतंजलि की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत मेहता ने सभी आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद में सभी जड़ी-बूटियां आयुर्वेदिक मानकों के अनुसार हैं और उत्पाद पूरी तरह से मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है।

बात दें कि डाबर ने बताया कि च्यवनप्राश के बाजार में उसकी 61.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है और पतंजलि का इस तरह का प्रचार

एक प्रतिस्पर्धी रणनीति है जो उसके ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है।

मामले में दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की अध्यक्षता वाली पीठ ने डाबर इंडिया को महत्वपूर्ण अंतरिम राहत प्रदान की है। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को तय की गई है।

फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में काम कर रहे चीनी इंजीनियरों को स्वदेश लौटने को कहा

-'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती

मुंबई । भारत में कारोबार फैलाने की अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल की योजना को करारा झटका लगा है। इसका कारण ये हैं कि फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में आईफोन संयंत्रों में काम करने वाले चीन के इंजीनियरों को स्वदेश लौट जाने के लिए कहा है। फॉक्सकॉन के कदम से 'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती है। एप्पल सितंबर मध्य तक 'आईफोन 17' बाजार में पेश करना चाह रही है। सूत्रों का कहना है कि संभवतः चीन सरकार के निर्देश के बाद फॉक्सकॉन ने फैसला लिया होगा। चीन सरकार भारत में 'आईफोन17' जैसे नए फोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली स्मार्टफोन मशीन के आयात की मंजूरी देने में पहले से ही आनाकानी कर रही है। इन दोनों कारणों से भारत में आईफोन बनाने के लिए जरूरी प्रशिक्षण कार्यों पर भी असर हो सकता है। इसके साथ चीन से विनिर्माण तकनीक के हस्तांतरण की प्रक्रिया को भी झटका लगेगा है और उत्पादन लागत बढ़ जाएगी।

दिलचस्प बात है कि फॉक्सकॉन ने 15 जुलाई तक भारत में 1,000 नए कर्मचारियों की भर्ती की योजना तैयार रखी थी। सूत्र ने कहा कि इन नई भर्तियों के साथ इसके कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 40,000 तक पहुंच जाती। सूत्रों ने खुलासा किया कि फॉक्सकॉन चीनी तकनीकी विशेषज्ञों की जगह वियतनाम के इंजीनियरों को नियुक्त कर सकती है। अपने इंजीनियरों को वापस बुलाने के चीन सरकार के कदम के पीछे उसकी संरक्षणवादी मानसिकता है। वहां की सरकार भारत को तकनीक हस्तांतरण एवं उपकरणों के निर्यात में भी अड़ंगा लगा रही है। फॉक्सकॉन के कदम पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें इससे कोई खास दिक्कत होती नहीं दिख रही है। फॉक्सकॉन चीन और ताइवान से नियमित रूप तकनीशियन बुलाती रहती है। हमारे पास पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित लोग हैं। कई कंपनियों ने स्थानीय स्तरों पर मशीनें बनानी भी शुरू कर दी हैं। चीन के इंजीनियरों के जाने से अधिक से अधिक एक महीने तक उत्पादन में बाधा आएगी मगर इससे ज्यादा कुछ नहीं होगा।'

अडानी ग्रुप 'एक कारोबार, एक कंपनी' की बना रहा रणनीति

-एक छत के नीचे लाएगा सभी सीमेंट कंपनियों को, अल्ट्राटेक को देगा टक्कर

नई दिल्ली।

अडानी समूह ने 'एक कारोबार, एक कंपनी' रणनीति के तहत अपने सभी सीमेंट कारोबार को एक ही कंपनी के तहत एकीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके जरिये कंपनी अपने सीमेंट कारोबार को सुचारु एवं व्यवस्थित करना चाहती है जहां अंबुजा और एसीसी दोनों प्रमुख ब्रांड मौजूद हों। समूह ने इस एकीकरण योजना के तहत हाल में अधिग्रहीत अपनी दो कंपनियों सांघी इंडस्ट्रीज और पेन्ना सीमेंट को अंबुजा सीमेंट्स में विलय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट में इस मामले को जानने वालों ने बताया कि यह प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी होने की उम्मीद है। समूह ने मूल ब्रांड के तौर पर 'अडानी सीमेंट' बढ़ावा देने की योजना बनाई है। उसने ब्रांड जागरूकता की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर में सीके बिड़ला ग्रुप से अधिग्रहित ओरियंट सीमेंट अब अडानी सीमेंट के तहत एक विनिर्माण इकाई के तौर पर काम करेगी। अधिकारियों ने कहा कि विरासती ब्रांड और मूल्य निर्धारण में अंतर के बावजूद मात्रात्मक लिहाज से ओरियंट सीमेंट को बिना कोई नुकसान पहुंचाए आसानी से एकीकृत किया जा चुका है।

ओरियंट सीमेंट के करीब 60 फीसदी डीलरों ने अंबुजा और एसीसी उत्पादों का स्टॉक रखना पहले ही शुरू कर दिया है। इससे जमीनी स्तर पर ब्रांड एकीकरण का संकेत मिलता है। इस रणनीति का उद्देश्य परिचालन को सरल बनाते हुए लागत को घटाना और बाजारों में ब्रांडों की मौजूदगी को बेहतर करना है। पिछले एक साल में कई आक्रामक अधिग्रहण करने के बाद अडानी ग्रुप ने सीमेंट क्षेत्र में अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पहल की है।

कई सीमेंट इकाइयों के विलय के बाद सुदृढ़ीकरण की भी योजना है। इसके तहत अंबुजा सीमेंट्स अपनी सहायक कंपनी एसीसी के साथ विलय पर गंभीरता से विचार कर सकती है। करीब 14 करोड़ टन क्षमता वाली अडानी ग्रुप की सभी सीमेंट परिसंपत्तियां एक ही छत के नीचे आ जाएंगी। इससे उद्योग की अग्रणी कंपनी अल्ट्राटेक को टक्कर देने में मदद मिलेगी। बता दें अडानी ग्रुप फिलहाल देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। उसने सालाना 20 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। इसके तहत वह 2030 तक 20 करोड़ टन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रख रही है।

अमेरिकी डॉलर में आई गिरावट, दुनिया के देशों पर इसका नहीं पड़ेगा असर

अमेरिकी जानकार बोले- ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी से बनी यह स्थिति, बढ़ेगी महंगाई

वॉशिंगटन। इस साल अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई। 1973 के बाद से अब तक ऐसा पहली बार है, जब एक साल के अंदर ही डॉलर में भारी गिरावट दर्ज देखी गई। भारतीय रुपए के मुकाबले एक डॉलर की कीमत 85 रुपए है। 20 जून को ही रुपए की कीमत डॉलर के मुकाबले 86.60 थी। कई करेंसीज के मुकाबले इस साल की शुरुआत से अब तक डॉलर पहले की तुलना में 10 फीसदी तक कमजोर हुआ है। हालात यह है कि अमेरिकी करेंसी में निवेश करने वाले लोग निकल जाना चाहते हैं। ऐसा इसलिए ताकि महंगाई के संकट में यदि बाजार में गिरता है तो नुकसान से बच सकें।

अमेरिकी बाजार जानकारों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी के चलते यह स्थिति बनी है। चीन, भारत, ब्राजील जैसे देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात की कीमत में इजाफा हुआ है और डॉलर कमजोर हुआ है। अब तक डॉलर को सबसे सुरक्षित करेंसी माना जाता रहा है। लेकिन इसमें भरोसे में कमी आई है।

इंपोर्ट पर टैरिफ बढ़ गया है, जिसके चलते भारत और चीन जैसे देशों से अमेरिका पहुंचने वाला सामान महंगा हो गया है। इससे अमेरिका में महंगाई बढ़ गई और डॉलर भी कमजोर हो गया है। इस स्थिति से दूसरे देशों को परेशानी पहुंचाने वानर नहीं है, जितनी अमेरिका के लोगों को है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में महंगाई बढ़ने का डर है। ऐसा होगा तो ग्रोथ में भी कमी आएगी। लोग कम निवेश करेंगे और ज्यादा से ज्यादा पैसा लोग अपने पास रखना चाहेंगे। एक समस्या यह है कि अमेरिकी बाजार की स्थिरता को लेकर भी निवेशकों में भरोसा कम हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभमन गिल ने किया कमाल, सेना देशों में टेस्ट में दोहरा शतक जड़ने वाले बने पहले भारतीय कप्तान

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा इतिहास रच दिया है। दरअसल, शुभमन गिल इंग्लैंड ही नहीं, बल्कि सेना देशों में टेस्ट मैचों में बतौर कप्तान दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अभी तक 192 रनों के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन टॉप पर थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाप ऑकलैंड में ये करिश्मा किया था। इसके अलावा वे इंग्लैंड में तीसरे भारतीय हैं, जिन्होंने टेस्ट मैच में 200 या इससे ज्यादा रनों की पारी खेली है।

भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा इतिहास रच दिया है। दरअसल, शुभमन गिल इंग्लैंड ही नहीं, बल्कि सेना देशों में टेस्ट मैचों में बतौर कप्तान दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अभी तक 192 रनों के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन टॉप पर थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाप ऑकलैंड में ये करिश्मा किया था। इसके अलावा वे इंग्लैंड में तीसरे भारतीय हैं, जिन्होंने टेस्ट मैच में 200 या इससे ज्यादा रनों की पारी खेली है।

शुभमन गिल बतौर कप्तान इंग्लैंड में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय हैं, जबकि बतौर खिलाड़ी ऐसा करने वाले वे भारत के तीसरे खिलाड़ी हैं। सुनील गावस्कर और राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड में दोहरा शतक जड़ा हुआ है। गिल का बल्ला इस सीरीज में जमकर बोल रहा है। वे एकमात्र प्लेयर हैं जो 350 से ज्यादा रन बना चुके हैं। पहले मैच में भी उन्होंने शतक जड़ा था। वे पहली पारी में 147 रन बनाने में सफल हुए थे। हालांकि, दूसरी पारी में सिर्फ 8 रन ही बना सके थे। इस तरह इस पारी खो मिलाया जाए तो वे 350 से ज्यादा रन सिर्फ तीन पारियों में बना चुके हैं।

पाकिस्तान को भारत में एशिया कप खेलने की अनुमति मिलेगी या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान की टीम को अगले महीने भारत में एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दी जाएगी। खेल मंत्रालय के सूत्र ने कहा कि भारत कई देशों की भागीदारी वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान से खेलेगा।

सूत्र ने कहा, 'हम किसी भी टीम के भारत में बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन द्विपक्षीय प्रतियोगिता अलग होती है।'

हॉकी एशिया कप 29 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में आयोजित किया जाएगा जिसमें भारत सहित आठ टीमें भाग लेंगी।

'ऑपरेशन सिंदूर' के कारण अगले महीने एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर संदेह था। एशिया कप के अलावा नवंबर-दिसंबर में होने वाले जूनियर विश्व कप में भी पाकिस्तान की टीम को खेलने की अनुमति दी जाएगी।

काउंटी क्रिकेट में ईशान किशन ने की गेंदबाजी, हरभजन और शेन वॉर्न के बॉलिंग एक्शन को करते दिखे कॉपी

मुम्बई (एजेंसी)। ईशान किशन मौजूदा समय में इंग्लैंड में मौजूद हैं। जहां वह काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन 1 में नॉटिंघमशर के लिए खेल रहे हैं। इसदौरान उन्होंने अर्धशतक बनाया है। बुधवार को ईशान किशन ने समरसेट के खिलाफ मुकाबले के दौरान गेंदबाजी की। हालांकि, उनके एक्शन ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। किशन भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह के बॉलिंग एक्शन की नकल करते दिखे हैं।

ईशान किशन ने अपने ओवर के दौरान ऑफ स्पिन और लेग स्पिन की। उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में अपनी पहली गेंद पर हरभजन सिंह का बॉलिंग एक्शन कॉपी करने की कोशिश की। टॉम कोहलर कैडमोर के खिलाफ उन्होंने ये गेंद डाली, जोकि 140 के करीब बल्लेबाजी कर रहे थे। ईशान किशन ने शुरुआती 4 गेंद ऑफ स्पिन की, इसके बाद उन्होंने राउंड द विकेट शेन वॉर्न के बॉलिंग एक्शन की कॉपी की। ईशान किशन ने मैच का आखिरी ओवर डाला। इस दौरान उन्होंने एक रन दिया। उनका गेंदबाजी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। समरसेट ने कैडमोर के 147 रनों के बदौलत दूसरी पारी में 4 विकेट पर 238 के स्कोर पर पारी घोषित की। उनके पास 108 रन की बढ़त थी, जब ड्रॉ के लिए सहमति बनी। इससे पहले समरसेट ने पहली पारी में 379 रन बनाए। टॉम बैंटन और टॉम अबेल ने अच्छा योगदान दिया। इसके जवाब में नॉटिंघमशर ने 163.2 ओवर में 509 रन बनाए।

राष्ट्रीय टीम के अलावा इंग्लैंड में खेल रहे वैभव, तिलक सहित अन्य क्रिकेटरों पर भी रहेंगी गंभीर की नजरें

लंदन **(एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही अंडर-19 टीम भी अभी इंग्लैंड दौरे पर है। इसके अलावा टीम से बाहर चल रहे कई युवा क्रिकेटर यहां काउंटी में खेल रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की नजरें मुख्य टीम के अलावा यहां खेल रहे अन्य खिलाड़ियों पर भी रहेंगी।

आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय अंडर 19 टीम में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी सहित कई उभरते हुए क्रिकेटर हैं। इसे अलावा तिलक वर्मा, ईशान किशन सहित कई अन्य युवा खिलाड़ी काउंटी में खेल रहे हैं। काउंटी चैंपियनशिप में हैम्पशायर की ओर से खेल रहे तिलक का अब तक का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पिछली बार एसेक्स के खिलाफ शानदार शतक लगाने के बाद इस क्रिकेटर ने वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ 56 रन बनाये। तिलक भारतीय टी20 टीम के सदस्य हैं पर टेस्ट में अब तक जगह नहीं बना पाये हैं।

मुशीर खान- मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मुशीर खान ऑलराउंडर हैं। इंग्लैंड में मुंबई इमर्जिंग टीम की ओर से मुशीर ने नॉटिंघमशर की सेकंड इलेवन के खिलाफ पहले मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 6 विकेट लिए। वह मुम्बई क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित दौरे पर एक माह के लिए इंग्लैंड गये हैं।

ईशान किशन- भारतीय टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन काउंटी भी आजकल क्रिकेट खेलकर में शामदार प्रदर्शन कर रहे हैं। नॉटिंघमशायर काउंटी की ओर से खेलते हुए इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने लगातार दो मुकाबलों में अर्धशतक लगाये हैं। समरसेट के खिलाफ मैच में ईशान ने 128 गेंदों में 77 रन बनाए थे। वहीं इससे पहले मैच में भी ईशान ने यॉर्कशायर के खिलाफ 98 गेंदों में 87 रन बनाए थे।

तमिलनाडु प्रीमियर लीग : अश्विन की आक्रामक बल्लेबाजी से जीती डिंडीगुल ड्रैगन्स

चेन्नई । डिंडीगुल ड्रैगन्स की कप्तानी करते हुए अश्विन दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग के एक मैच में पारी की शुरुआत करते हुए 48 गेंदों पर ही 83 रन बना दिये । अश्विन अपनी स्पिन गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं पर यहां उन्हें 11 चौके व तीन छक्के लगाकर सभी को हैरान कर दिया । उनकी इस पारी से डिंडीगुल ड्रैगन्स ने ये मैच जीत लिया । अश्विन की पारी से एलिमिनेटर में त्रिची ग्रैंड चोलाज छह विकेट से हार गयी । अब डिंडीगुल ड्रैगन्स का मुकाबला क्वालिफायर-2 में शुक्रवार को चेपॉक सुपर गिलीज से होगा । इसमें विजेता टीम फानल में पहुंचेगी । एलिमिनेटर मुकाबले में अश्विन ने टॉस जीतकर त्रिची ग्रैंड चोलाज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया । अश्विन ने तीन विकेट लेकर उसे करारा झटका दिया । बाद में 141 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अश्निन की डिंडीगुल ड्रैगन्स ने तेजी से रन बनाये । अश्विन ने शिवम सिंह के साथ पहले 5 ओवरों में ही 50 रन बना दिये । शिवम 5वें ओवर में आउट हो गए पर अश्विन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए त्रिची के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया ।

स्पॉट फिक्सिंग में प्रतिबंधित रहे अंकित बने मुम्बई टीम के कोच

मुम्बई (एजेंसी) । मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने पूर्व स्पिनर अंकित चव्हाण को नया कोच बनाया है । जिससे सभी हैरान हैं । अंकित 2013 स्पॉट फिक्सिंग मामले के आरोपी रहे हैं । स्पॉट फिक्सिंग में फंसने के बाद अंकित पर प्रतिबंध लग गया था पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईद्ध) ने साल 2021 में इसे घटाकर सात साल कर दिया था । जिससे वह दो साल पहले ही खेल में वापसी कर पाए हैं । अंकित ने अपने करियर में 18 फर्स्ट क्लास, 20 लिस्ट ए और 13 आईपीएल मैच खेले हैं । ये स्पिनर प्रतिबंध के दौरान भी मुंबई के कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लब के लिए क्लब क्रिकेट खेलता रहा और उसने कोचिंग के लिए जरुरी लेवल-1 परीक्षा भी पास की । जिससे उसे एक और अवसर खेल से जुड़ने का मिला है । इस क्रिकेटर ने कहा है कि यह मेरे लिए दूसरी पारी है और मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं । जिंदगी में हमेशा वापसी का अवसर होता है । इसके लिए मैं मुंबई क्रिकेट संघ का आभारी भी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया । कोचिंग मेरे मन में पहले से थी और मुझे आने वाली कठिन चुनौतियों के बारे में पता है । मैं अंडर-14 क्रिकेट के खिलाड़ियों की बुनियादी तकनीकों पर काम करना चाहता हूं ताकि वे अपने खेल में बेहतर हो सकें । गौरतलब है कि 2013 में बीसीसीआई की अनुशासन समिति ने एस. श्रीसंत, अजीत चंडिला और अंकित चव्हाण को आईपीएल में स्पॉट फिक्सिंग का दोषी मानते हुए आजीवन प्रतिबंध लगाया था । साल 2015 में दिल्ली की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में इन सभी खिलाड़ियों को बरी कर दिया हालांकि बीसीसीआई ने प्रतिबंध जारी रखा । बाद में जून 2021 में बीसीसीआई ने सभी पर से प्रतिबंध को घटाकर सात साल कर दिया.

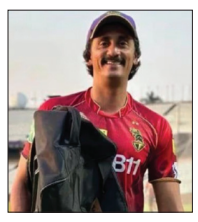

युवराज और सचिन भी हुए शुभमन और यशस्वी की बल्लेबाजी से प्रभावित

मुम्बई । सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंइ ने शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है । शुभमन ने इंग्लैंड दौरे में लगातार दूसरा शतक लगाया है । शुभमन ने दूसरे टेस्ट में जहां नाबाद 114 रन बनाये हैं । वहीं यशस्वी ने 87 रनों की पारी खेलकर खेली । इंग्लैंड में विपरीत हालातों में इनकी बल्लेबाजी से सचिन और युवराज काफी प्रभावित हैं । इन दोनो ने ही शुभमन गिल व यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है । सचिन ने यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा, 'उसने पहली गेंद से ही लय हासिल कर ली । वह सकारात्मक, निडर और चतुराई से आक्रामक बल्लेबाजी करता दिखा । वहीं शुभमन को लेकर कहा, हमेशा की तरह शांत, दबाव में शांत, डिफेंस में मजबूत और पूरी तरह से पारी पर नियंत्रण करते दिखा । दोनों ने शानदार पारी खेली ।' वहीं शुभमन के गुरु रहे युवराज ने कहा , 'जब जिम्मेदारी आती है, तो कुछ लोग आगे बढ़ते हैं और कुछ ऊंची उड़ान भरते हैं । शुभमन टेस्ट कप्तान के रूप में लगातार शतक बनाने वाले इन्हीं खिलाड़ियों में से एक हैं । शांत दिमाग, बोल्ड बल्लेबाजी और उदाहरण पेश करके नेतृत्व करने की क्षमता उनमें है ।' वहीं उनकी इस बल्लेबाजी से उन लोगों को करारा जवाब मिला है जो कप्तान बनाते समय आरोप लगाते रहे हैं कि कमजोर बल्लेबाजी के कारण शुभमन की जगह टेस्ट में पक्की नहीं है ।

सुपरयूनाइटेड रैपिड शतरंज : गुकेश नें प्रज्ञानन्दा को हराया

जाग्रेब , क्रोसिया (एजेंसी)। सुपरयूनाइटेड रैपिड के पहले दिन भारत के विश्व चैंपियन गुकेश डी ने लगातार दो जीत दर्ज करते हुए अच्छी शुरुआत की है । गुकेश को पहले राउंड में पोलैंड के यान डूड़ा से हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में एक बार फिर रैपिड में उनके खेल पर सवाल उठ ही रहे थे की उन्होने लगातार दो बाजियों में पहले फ्रांस के अलीरेजा को सफ़ेद मोहरो से और फिर हमवतन प्रज्ञानन्दा को काले मोहरो से पराजित करते हुए शानदार वापसी की । गुकेश नें इन दोनों खेल में समय और आक्रामक शतरंज दोनों का उपयुक्त तालमेल दिखाया और यह जताया की वह इस फॉर्मेट में भी लगातार खुद को बेहतर कर रहे है । इस जीत के साथ गुकेश नॉर्वे के मैगनस कार्लसन ,पोलैंड के यान डुड़ा और यूएसए के वेसली सो के साथ 4 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर पहुँच गए है ।

प्रज्ञानन्दा के साथ गुकेश के मुक़ाबले पर सबकी नजरे थी और उन्होने ओपनिंग से ही केंद्र में मजबूत पकड़ बनाते हुए अपने खेल की मजबूती दिखाई। खासकर केंद्र में उनके प्यादे का खेलना खेल का मोड़ साबित हुआ।

दूसरी ओर, प्रज्ञानन्दा की वजीर के हिस्से पर खेल की चालों ने कुछ हद तक संतुलन में लाने का मौका दिया, लेकिन समय की कमी में प्रज्ञानन्दा सही चाल नहीं खोज पाए। अंत में गुकेश ने अपने अनुभव और कुशलता का परिचय देते हुए एंडगेम में निर्णायक चालें चलकर जीत हासिल की।

कल भी रैपिड में तीन राउंड खेले जाएंगे जिसमें गुकेश का सामना उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव , यूएसए के फबियानों करूआना और नॉर्वे के मैगनस कार्लसन से होगा जबकि प्रज्ञानदा जो फिलहाल दो ड्रॉ के साथ आठवें स्थान पर है उनका सामना भी फबियानों करूआना और मैगनस कार्लसन और नीदरलैंड के अनीश गिरि से होगा

फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने जताया दुख

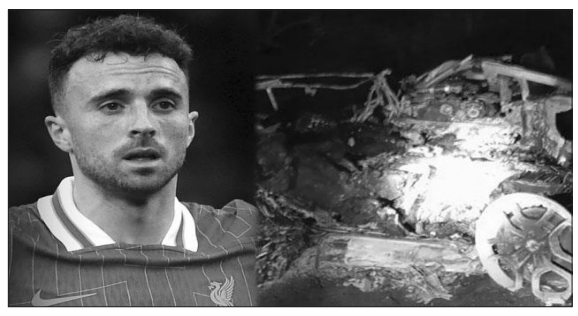

जमोरा (स्पेन) । लिवरपूल और पुर्तगाल के फॉरवर्ड डिओगो जोटा की स्पेन में गुरुवार को 28 साल की उम्र में कार दुर्घटना में मौत हो गई । स्काई स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना के समय जोटा अपने भाई के साथ कार में थे । प्रीमियर लीग और लिवरपूल फुटबॉल क्लब ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर फुटबॉलर के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की । उनकी मौत पर पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दुख प्रगट किया है ।

प्रीमियर लीग घटना से स्तब्ध – प्रीमियर लीग ने एक्स पर लिखा, 'प्रीमियर लीग में हर कोई डियोगो जोटा और उनके भाई आंद्रे के दुखद निधन के बारे में जानकर स्तब्ध है । इस दुखद समय में हमारी हार्दिक संवेदनाएं डियोगो के परिवार, दोस्तों, लिवरपूल एफसी और उनके सभी समर्थकों के साथ हैं । फुटबॉल ने एक चैंपियन खो दिया है जिसकी कमी हमेशा खलेगी । हम क्लब में अपने दोस्तों और सहकर्मियों का समर्थन करना जारी रखेंगे ।' एलएफसी ने एक्स पर लिखा, 'लिवरपूल फुटबॉल क्लब डियोगो जोटा के दुखद निधन से स्तब्ध है ।'

रोनाल्डो ने शोक व्यक्त किया – रोनाल्डो ने शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'अभी हम नेशनल टीम में साथ थे, अभी आपकी शादी हुई थी । आपके परिवार, आपकी पत्नी और आपके बच्चों के लिए मैं अपनी संवेदनाएं भेजता हूं । मुझे पता है कि आप हमेशा उनके साथ रहेंगे । शांति से आराम करो, डिओगो और आंद्रे । हम सभी आपको याद करेंगे ।'

ब्रैथवेट खेलेंगे 100वां टेस्ट, वेस्टइंडीज खिलाड़ियों के विशेष क्लब में होंगे शामिल

बारबाडोस (एजेंसी)। क्रेग ब्रैथवेट आज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे और वेस्टइंडीज के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले 10वें क्रिकेटर बन जाएंगे। वह विव रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और गॉर्डन ग्रीनिज जैसे खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में शामिल हो जाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ब्रैथवेट सबसे लंबे प्रारूप में वेस्टइंडीज क्रिकेट की आधारशिला बन गए हैं, उन्होंने 99 टेस्ट मैचों में 12 शतकों के साथ 5943 रन बनाए हैं, उनमें से 39 में टीम का नेतृत्व किया है, किसी भी अन्य वेस्टइंडीज खिलाड़ी की तुलना में अधिक गेंदों का सामना किया है और 2022 में आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम ऑफ द ईयर में स्थान अर्जित किया है। उनकी यात्रा 2011 में 18 वर्षीय नवोदित खिलाड़ी के रूप में शुरू हुई, लेकिन यह विश्वास बहुत पहले ही जड़ जमा चुका था, जब उन्होंने सिर्फ़ 14 वर्ष की आयु में ही पूरे आत्मविश्वास के साथ घोषणा की थी कि वह एक दिन वेस्टइंडीज के लिए 100 टेस्ट खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर क्रेग ब्रैथवेट ने कहा, 'मैंने यह लक्ष्य तब तय किया था, जब मैं शायद 14 वर्ष का था - 100 टेस्ट खेलना। अब मैं 18 साल बाद वेस्टइंडीज के लिए अपना सौवां टेस्ट खेल रहा हूं। मैं बहुत आभारी हूं, और मैं बस युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनना चाहता हूं।% मई 2011 में बैसेटेरे में पाकिस्तान के खिलाफ ब्रैथवेट के लिए यह ड्रीम डेब्यू नहीं था। उन्होंने एक बाउंड्री के साथ शुरुआत की, लेकिन 15 और 0 के स्कोर ने उनके टेस्ट करियर की एक शांत शुरुआत को चिह्नित किया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि इस विश्वास को जमने में समय लगा, लेकिन एक बार जब यह जम गया, तो पीछे मुड़कर नहीं देखा। मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ अपने तीसरे टेस्ट में एक शानदार अर्धशतक ने फॉर्म में वापसी की, जिसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ अपने अगले चार मैचों में उन्होंने तीन और अर्धशतक लगाए। ब्रैथवेट को अपना पहला टेस्ट शतक बनाने में तीन साल लग गए, 2014 में पोर्ट ऑफ स्पेन में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक संयमित पारी।लेकिन यह एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम में उनकी जगह को मजबूत किया। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के खिलाफ मेरा पहला शतक एक ऐसा एहसास था जिसे मैं वास्तव में शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मुझे विश्वास नहीं था कि मैं टेस्ट शतक के इतने करीब पहुंच जाऊंगा, और फिर इसे हासिल करने के बाद, मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि मैंने वेस्टइंडीज के लिए 100 रन बनाए।

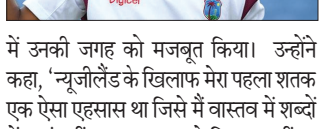

जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे, गॉफ और ज्वेरेव बाहर हुए

लंदन । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं । वहीं जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव हार के साथ ही बाहर हो गये हैं । वहीं महिला वर्ग में अमेरिकका की कोको गॉफ को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा है । जोकोविच पहले दौर के मैच में पेट दर्द से भी परेशान रहे । इस कारण उन्हें दो बार मेडिकल हेल्प भी लेनी पड़ी के कारण दो बार डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी । जोकोविच ने एलेक्जेंडर मुलर को 6-1, 6-7 (7), 6-2, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी । जोकोविच ने कहा, ''मैं मैच के दौरान काफी परेशान था पर किसी प्रकार दवा लेकर खेलने में सफल रहा ।'' वहीं एक अन्य मुकाबले में ज्वेरेव को आर्थर रिंडरक्नेच ने पांच सेटों तक चले मुकाबले में 7-6 (3), 6-7 (8), 6-3, 6-7 (5), 6-4 से हराया । महिला एकल की बात करें तो गॉफ पहले दौर में ही हार गयी । उन्हें दयाना यास्त्रेम्स्का ने 7-6 (3), 6-1 से पराजित किया । वहीं इस साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लोरेंजो मुसेट्टी भी पहले दौर में ही हार कर बाहर हो गये । उन्हें निकोलोज बेसिलशविली ने हराया । इस तरह से विंबलडन में पहले दो दिन में 23 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बाहर हो गये हैं ।

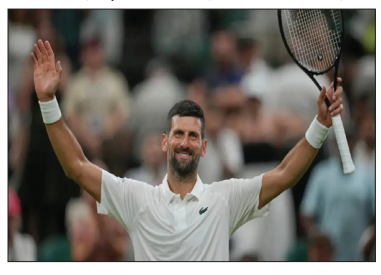

अगले सत्र में रॉयल्स की जगह सीएसके से खेल सकते हैं सैमसन

मुंबई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रॉयल्स की जगह पर चेन्नईसुपरकिंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आ सकते हैं। सैमसन ने 18 वें सत्र में रॉयल्स की कप्तानी की थी पर टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में अब रॉयल्स आईपीएल के अगले सत्र के लिए नये सिरे से टीम बनाने जा रही है। वह तकरीबन आधे खिलाड़ी बदलने पर विचार कर रही है। रॉयल्स ने अब तक किसी का नाम नहीं बताया है पर जिन खिलाड़ियों के लिए ट्रेड-ऑफ की मांग सबसे अधिक होगी, उनमें से एक सैमसन हो सकते हैं। ऐसे में सैमसन और रॉयल्स की टीम आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। वैसे भी टीम के पास ध्रुव जुरेल के रूप में एक अच्छा विकेटकीपर बल्लेबाज है। आईपीएल में अभी दो टीमों को अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाज की जरूरत है। इसमें सीएस के और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है। सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल में खेलने पर संशय बना हुआ है।

गौरतलब है कि आईपीएल के अगले सत्र को देखते हुए ट्रेडिंग विंडो बाद चार जून से ही शुरू हो गई थी और यह 2026 के खिलाड़ियों की नीलामी की तारीख से एक सप्ताह पहले तक जारी रहेगी। खिलाड़ियों की नीलामी समापत होने के बाद विंडो फिर से खुलेगी और अगले सत्र की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले बंद हो जाएगी। ट्रेड-ऑफ कई तरह के होते हैं। इसमें टीमों की आपसी सहमति के बाद एक ही कीमत पर खिलाड़ियों की अदला-बदली होती है। इसमें अधिक कीमत वाले खिलाड़ी को रखने वाली फ्रेंचाइजी को शेष राशि मिलती है, वहीं एकतरफा नकद सौदा भी होता है इसमें एक फ्रेंचाइजी नीलामी से पहले अपने पर्स को बढ़ाने के लिए खिलाड़ी को बेचती है। ''इसमें सबसे अहम बात यह है कि हर टीम अपनी टीम को मजबूत करने वाली किसी भी चीज के लिए तैयार रहती है। सैमसन पिछले कई वर्षों से राजस्थान टीम का अहम हिस्सा रहे है पर कप्तान के तौर पर रियान पराग के सामने आने के बाद उनके लिए टीम में बने रहना आसान नहीं होगा। पिछले सत्र में जब सैमसन चोटिल थे जब पराग ने टीम की कमान संभाली थी। सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और खराब फार्म से भी रॉयल्स उन्हें बदलना चाहेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है तेज पत्ता

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

एसिडिटी : खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना : हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार : अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है ।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी : अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर : अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार : अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

तुलसी के पत्ते किन बीमारियों में असरदार है

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की एक देवी के रूप में पूजा की जाती है। ज्यादातर घरों में आपको तुलसी मिल ही जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुबह उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है। तुलसी अपने आप में एक ऐसा पौधा है जो अनगिनत फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में तुलसी का उपयोग किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि घर में लगी तुलसी का इस्तेमाल कर आप किन बीमारियों से बच सकते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो तुलसी के पत्तों से कई बीमारियों का इलाज होता है। इसके पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है जो आपको बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- तुलसी में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने, कार्य क्षमता बढ़ाने, सिर दर्द, सिर के जूं और लीख से छुटकारा, नाइट ब्लाइंडनेस से आराम दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए रोजाना 4- 5 तुलसी के पत्ते पानी के साथ खा लें। सिर में तुलसी के पत्तों का रस भी लगा सकते हैं।

कान और दांत के दर्द में आराम- बच्चों और बड़ों किसी को कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों का रस डालने से आराम मिलता है। कान के दर्द में तुरंत राहत पाने के लिए तुलसी के 8-10 पत्तों को पीस लें और इससे निकलने वाले रस में से 2 से तीन बूंद कान में डालनी हैं दांत में दर्द हो तुलसी और काली मिर्च चबा लें। इससे फायदा मिलेगा।

पेट की बीमारियों में असरदार तुलसी- अगर आपको डायरिया, पेट की मरोड़, कब्ज, पीलिया, पथरी, डिलीवरी के बाद होने वाले दर्द से झुटकारा पाना है तो तुलसी के पत्तों का सेवन करें। डायरिया और पथरी से बचने के लिए 10 तुलसी की पत्तियां और 1 ग्राम जीरा दोनों को पीसकर शहद में मिलाकर उसका सेवन करें। अपच दूर करने के लिए तुलसी को नमक के साथ पीसकर दिन में 3 से 4 बार लें।

त्वचा के लिए फायदेमंद- आपके फेस को ग्लोइंग बनाने, सफेद दाग, मुंह के छालों, कालापन, कील मुंहासों, फोड़े सभी में तुलसी लाभदायक है। इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को 1 नींबू के साथ मिलाकर लेप बनाना है। इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने पर धो लें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए- तुलसी मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, दाद और खुजली, मासिक धर्म की अनियमितता से बचाती हैं। तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिक्स करें और काढ़ा बनाकर पीने से मलेरिया, टाइफाइड, बुखार आराम मिलता है। दाद और खुजली के लिए आप इसका लेप बनाकर लगा सकते हैं। मासिक धर्म में आप तुलसी के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोज तुलसी के पत्तों को खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, अस्थमा, जुकाम को कंट्रोल किया जा सकता है।

घाव भरने में मददगार- तुलसी चोट पर भी फायदा करती है। यहां तक की सांप काटने पर भी तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। सांप काटने पर तुलसी की जड़ों को पीसकर सांप के काटने वाली जगह पर लेप लगाते हैं। इससे दर्द से आराम मिलता है। अगर रोगी बेहोश हो गया हो तो तुलसी का रस नाक में लगाया जाता है।

सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाएगा ये फल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, पोटैशियम, फोलेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि अनानास को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से अनानास का सेवन करते हैं, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

अनानास आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास का सेवन करना शुरू कर दीजिए। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अनानास का सेवन कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी अनानास को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें अनानास खाने से आपकी आंखों की सेहत पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अनानास में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए अनानास का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास को कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अनानास आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

घर में रखे-रखे सड़-गल जाते हैं केले, ये टिप्स है बड़े काम के, 5-6 दिनों तक फ्रेश बने रहेंगे

घर में अक्सर केले लाए जाते हैं लेकिन ये कुछ ही दिनों में काले पड़ने लगते हैं। केले का जल्दी खराब होना आम समस्या है। इससे ये समझना मुश्किल हो जाता है कि केले को फ्रिज में रखें या बाहर। अगर आप चाहते हैं कि केले लंबे समय तक ताजा रहें, तो कुछ आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। केलों की ताजगी बनाए रखने के लिए सबसे पहले ध्यान रखें कि केले खरीदते वक्त वे बिल्कुल ताजे और बिना किसी काले धब्बे वाले हों। अगर केले कहीं से पिलपिले या ज्यादा मुलायम लग रहे हों, तो उन्हें खरीदना सही नहीं क्योंकि ऐसे केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

प्लास्टिक बैग से सावधानी

जिन प्लास्टिक बैग्स में केले लाए जाते हैं, उनमें एथिलिन गैस जमा हो जाती है। यह गैस केले के जल्दी पकने का कारण बनती है। इसलिए केले घर लाते ही उन्हें उस बैग से निकालकर किसी दूसरी जगह रखना चाहिए।

केले की डंडी को कवर करें

केले के गुच्छे की डंडी यानी तने को प्लास्टिक से लपेटने से केला जल्दी नहीं पकता और लंबे समय तक ताजा रहता है। अगर पूरे गुच्छे को ढकने की बजाय, केले के तनों को अलग-अलग कवर किया जाए, तो भी केले जल्दी खराब नहीं होते।

अन्य फलों से दूर रखें

केले और अन्य फल जैसे आम, अमरुद, सेब आदि में भी एथिलिन गैस निकलती है। अगर केले को इन फलों के साथ रखा जाए, तो केला जल्दी पकने लगता है। इसलिए केले को अन्य फलों से अलग रखना चाहिए ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

केले को कमरे के तापमान पर रखें

केलों को फ्रिज में रखने से बेहतर है कि उन्हें कमरे के सामान्य तापमान पर ही रखा जाए। केले को उल्टा (टिप-ओवर) करके किसी कटोरे या बाउल में रखें ताकि वे आसानी से सांस ले सकें और खराब न हों।

केले को हवा लगती रहे

केले को एक-दूसरे के ऊपर दबाकर रखने की बजाय ऐसे रखें कि उनपर हवा लगती रहे। इससे उनके जल्दी खराब होने की संभावना कम हो जाती है।

केले को हुक से टांगें

अगर संभव हो तो केले को हुक पर टांगकर रखें। इससे केले के सभी हिस्सों को हवा मिलती रहती है और वे ज्यादा दिनों तक ताजा रहते हैं।

पक चुके केले फ्रिज में रखें

अगर केले पहले से ही पक चुके हों और ज्यादा दिनों तक ताजा रखना हो, तो उन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। फ्रिज की ठंडी हवा में केला ज्यादा समय तक खराब नहीं होता।

केले जल्दी खराब होने की समस्या से बचने के लिए सही तरीके अपनाना जरूरी है। इन तरीकों को अपनाकर आप केले को खराब होने से बचा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी गई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में सोनप्रयाग के पास मुनकटिया में भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने गौरीकुंड से लौट रहे करीब 40 फंसे हुए केदारनाथ तीर्थयात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया। रुद्रप्रयाग पुलिस ने सूचित किया है कि सड़क साफ होने के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। वार्षिक चार धाम यात्रा, जिसमें केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की तीर्थयात्राएं शामिल हैं, हिंदू धर्म में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक यात्राओं में से एक है। उत्तराखंड में लगातार भारी भारी बारिश के कारण व्यापक व्यवधान जारी है। चमोली पुलिस के अनुसार, ताजा भूस्खलन के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग उमट्टा में अवरुद्ध हो गया है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सड़क संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके कुछ हिस्से बह गए हैं। उत्तरकाशी पुलिस ने बताया है कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग दो स्थानों पर अवरुद्ध है और इसे बहाल करने में समय लग सकता है। इस वर्ष केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की अभूतपूर्व आमद देखी गई है, जिसका श्रेय बेहतर सुविधाओं और बढ़ती आध्यात्मिक रुचि को दिया जा रहा है। अधिकारियों ने उच्च ऊंचाई वाली यात्रा को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा और चिकित्सा प्रतिक्रिया टीमों को भी तैनात किया है। भगवान शिव को समर्पित केदारनाथ मंदिर हिमालय में 11,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है। इस वर्ष केदारनाथ यात्रा के द्वार 2 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे।

16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को गर्भ समाप्त करने की अनुमति को एम्स देगा चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एक 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 27 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति मिली थी। एम्स ने मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ के समक्ष तर्क दिया कि गर्भपात से लड़की के भविष्य के प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एम्स की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि मेडिकल बोर्ड की राय है कि लड़की के स्वास्थ्य की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने अदालत से अपील की कि वे बच्ची के कानूनी संरक्षक बनें। वकील भाटी ने बताया कि गर्भधारण अधिनियम के तहत, 24 सप्ताह के बाद गर्भावस्था केवल तभी समाप्त की जा सकती है जब महिला के जीवन को गंभीर खतरा हो या भ्रूण में जन्मजात असामान्यताएं हों। सिंगल बेंच ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला दिया था, जहां 27 सप्ताह से अधिक और इतना ही नहीं 33 सप्ताह की गर्भावधि वाले मामलों में भी गर्भपात की अनुमति दी गई थी। अदालत ने एम्स को भ्रूण के ऊतकों को संरक्षित करने और डीएनए पहचान के लिए रिकॉर्ड रखने का भी आदेश दिया था। राज्य प्राधिकारियों को लड़की की चिकित्सा प्रक्रिया और देखभाल का खर्च वहन करने का निर्देश दिया गया था। लड़की के वकील के अनुसार, उसका यौन उत्पीड़न 2024 में दिवाली पर और फिर मार्च 2025 में हुआ। उसे अपनी गर्भावस्था का पता तब चला जब वह अपनी बहन के साथ डॉक्टर के पास गई। पुलिस ने मार्च में हुए यौन उत्पीड़न के आरोपी को गिरफ्तार किया है, लेकिन पिछले साल के आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मणिपुर : तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल घाटी जिलों में सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के मैत्रम इलाके से प्रतिबंधित प्रेपक (प्रो) संगठन के एक सदस्य को गिरफ्तार किया जिसकी पहचान ओइनम हेमनजीत सिंह के रूप में हुई है। इंफाल पूर्वी जिले के सेकमाइजिन मानिंग लेईकाई इलाके से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (पीडब्ल्यूजी) संगठन से जुड़े एक उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी की पहचान ओइनम तोम्बा सिंह (57) के रूप में हुई जो काकचिंग और थौबल जिलों में विभिन्न पेट्रोल पंपों से जबरन वसूली की गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने काकचिंग जिले के एलांग खांगपोकपी अवांग लेईकाई से पीडब्लूजी के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया जिसकी पहचान लौरेम्बम सुरेश (47) के रूप में हुई है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने एंड्रो खुमन (बरुनी हिल) की तलहटी से एक .303 राइफल, मैगजीन सहित दो नौ एमएम पिस्तौल, एक 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक, चार हथगोले, चार्जर सहित एक वायरलेस सेट और दो डेटोनेटर जब्त किए।

गुरुग्राम के मानेसर में 500 एकड़ में बनेगा डिज्नीलैंड, नायब सिंह सैनी सरकार ने दी मंजूरी

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने मानेसर में पचगांव चौक के पास करीब 500 एकड़ भूमि पर डिज्नीलैंड बनाने को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे और हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर पर स्थित होगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में एक विश्व स्तरीय मनोरंजन केंद्र स्थापित करना है, इससे हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा मिले और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। मुख्यमंत्री सैनी के अनुसार, डिज्नीलैंड परियोजना से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने है। बुनियादी ढांचे का विकास होगा और आसपास के क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव आएगा। गुरुग्राम को परियोजना के लिए सबसे आदर्श स्थान माना गया है, क्योंकि यहां कई फॉर्च्यून कंपनियों के मुख्यालय हैं और यह राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसके अलावा वर्तमान में हर साल होने वाले सूरजकुंड मेले की सफलता को देखते हुए, सरकार ने अब साल में तीन बार मेले आयोजित करने का विचार किया है।

लापरवाही से गाड़ी चलाने में मौत होने पर बीमा कंपनियां मुआवजा देने बाध्य नहीं

-सड़क हादसे और बीमा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क हादसे और बीमा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर कोई लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए दुर्घटना का शिकार होता है और उसकी जान चली जाती है तो बीमा कंपनियां उसे पैसे देने के लिए बाध्यु नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि ओवरस्पीड या स्टंगट मामले में हादसा होने पर बीमा का पैसा नहीं मिलेगा। इसके लिए बीमा कंपनियों को मजबूर नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ ने इस फैसले के साथ ही पीड़ित परिवार को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए दुर्घटना में जान गई है तो इसका भुगतान बीमा कंपनियों को नहीं करना होगा। कोर्ट ने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता ने लापरवाही से गाड़ी चलाई, नियम तोड़े और कार पलट गई, जिसमें उसकी जान चली गई। ऐसे मामलों में बीमा कंपनियों पर देनदारी नहीं

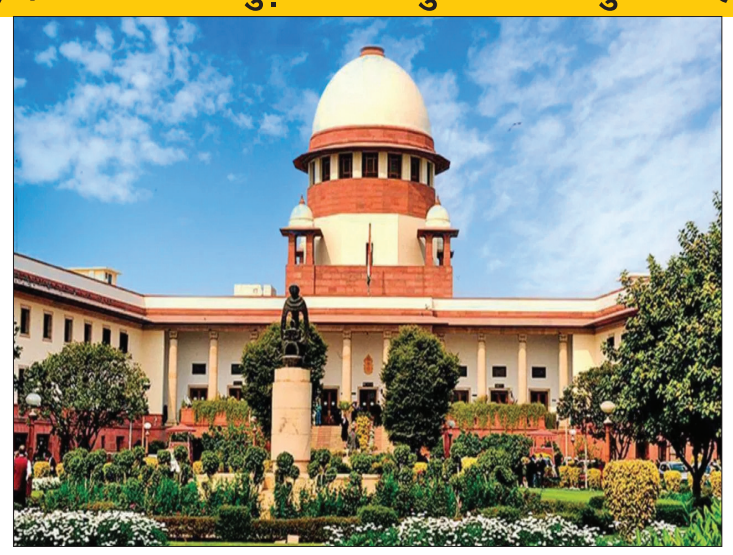

बनती है। बता दें हादसे में जान गंवाने वाले एनएस रविशा के परिवार ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से 80 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। इस मांग को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि जब मौत व्यक्ति की अपनी गलती से होती है और कोई बाहरी कारण शामिल नहीं होता, तो परिवार मुआवजा नहीं मांग सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के पिछले साल 23 नवंबर के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें उनके मुआवजे के दावे को खारिज कर दिया गया था।

बता दें यह मामला 18 जून 2014 का है, जब एनएस रविशा मल्लासंद्रा गांव से अरसीकेरे शहर की ओर अपनी कार से जा रहे थे। उनके साथ पिता, बहन और बच्चे भी थे। लापरवाही से तेज गति में गाड़ी चलाई और यातायात नियमों का उल्लंघन किया, जिससे वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार पलट गई। हादसे में रविशा की मौत हो गई। इसके बाद उनकी पत्नी, बेटे और माता-पिता ने 80 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। उनका दावा था कि वह एक ठेकेदार थे और प्रति माह 3 लाख रुपये कमा रहे थे। पुलिस ने अपनी चार्जशीट में खुलासा किया कि दुर्घटना रविशा की लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। लिहाजा मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल ने परिवार के दावे को खारिज कर दिया था।

भारत ने फिर की सख्ती : बैन हुए पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया हैंडल

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। उनमें पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को बैन करने जैसी कार्रवाई भी शामिल है। हालांकि बुधवार को उनके अकाउंट अनब्लॉक किए गए थे, लेकिन इसके एक दिन बाद ही एक बार फिर से ब्लॉक कर दिए गए हैं। गुरुवार सुबह से ही शाहिद अफरीदी, मावरा होकेन, युमना जैदी, हानिया आमिर और फवाद खान जैसे लोकप्रिय सितारों के इंस्टाग्राम और ट्विटर अकाउंट्स भारतीय यूजर्स के लिए बैन हो गए हैं। सरकार की ओर से बैन हटाने या दोबारा लागू करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि यह कदम स्थायी है या अस्थायी। पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के खिलाफ यह प्रतिबंध भारत के सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगाया गया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। भारत के द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ उठाए गए कदमों की कई पाकिस्तानी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर आलोचना की थी, जिसके बाद भारतीय यूजर्स के लिए उनके अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया था। बुधवार को इन सितारों के अकाउंट्स कुछ घंटों के लिए फिर से भारत में दिखाई देने लगे थे, जिससे लगा कि शायद सोशल मीडिया बैन हटा लिया गया है। लेकिन गुरुवार सुबह तक भारतीय यूज़र्स को इंस्टाग्राम पर संदेश दिखने लगा जिसमें लिखा आ रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने इस सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए कानूनी अनुरोध का अनुपालन किया है। बुधवार को अचानक इन अकाउंट्स के लौटने पर फैंस ने आश्चर्य जताया और सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। लेकिन एक दिन बाद ही दोबारा बैन लग जाने से अब यूजर्स में नाराजगी और भ्रम की स्थिति है।

आदित्य का सालियान से कोई संबंध नहीं था, राजनीति करने वाले माफी मांगे

-एनसीपी (एसपी) विधायक ने रोहित पवार ने कहा- सीएम करें कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दिशा सालियान मौत मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे को क्लीन चिट मिलने पर एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने कहा कि हम शुरू से कह रहे हैं कि आदित्य ठाकरे और दिशा सालियान के बीच कोई संबंध नहीं था। पारिवारिक मुद्दों के कारण दिशा सालियान ने अपनी जान दी है। राजनीतिक लाभ के लिए एक ऐसी महिला का नाम इस्तेमाल करना बहुत गलत है जो अब इस दुनिया में नहीं है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी और एकनाथ शिंदे के पक्ष के कई नेताओं ने इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया और हमने उस समय भी कहा था कि उनके बीच कोई संबंध नहीं है। बिहार से महाराष्ट्र चुनाव तक आदित्य ठाकरे का नाम इस मुद्दे के साथ जोड़ा गया। रोहित पवार ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस राज्य के गृह मंत्री भी हैं और उन्हीं के विभाग ने कोर्ट को बताया है कि आदित्य और सालियान के बीच कोई संबंध नहीं था। मैं यही कहूंगा कि जिन नेताओं ने इस मुद्दे पर राजनीति की है, उन्हें मीडिया के सामने आकर माफी मांगनी चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो सरकार को उन पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

रोहित ने महाराष्ट्र विधानसभा में कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के खिलाफ बैनर दिखाने पर कहा कि कोकाटे बहुत अहम मंत्रालय संभालते हैं, लेकिन उनके विभाग में कोई काम नहीं हो रहा है। महाराष्ट्र में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है, जहां किसानों की संख्या बहुत ज्यादा है। अगर कृषि मंत्री अक्षमता से काम करते हैं, तो इसका सीधा असर किसानों और आम लोगों पर पड़ता है। कोकाटे के बयानों को देखें तो उन्होंने किसानों के खिलाफ बयान दिया है। उनके बयानों के मद्देनजर मैंने पोस्टर दिखाया है।

रोहित ने पुणे में कुरियर बॉय द्वारा युवती से दुष्कर्म को लेकर महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लड़कियों के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पुणे में जो हुआ है, वो निंदनीय है। अपराधियों को ऐसा लगता है कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती, इसलिए वे ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

भारतीय संविधान में राजनैतिक हित के लिए धर्मनिरपेक्ष शब्द को जोड़ा गया : अविमुक्तेश्वरानंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द को लेकर बड़ा बयान दिया। शंकराचार्य ने कहा कि यह शब्द मूल रूप से भारतीय संविधान का हिस्सा नहीं था, बल्कि धर्मनिरपेक्ष को राजनैतिक हित के लिए बाद में जोड़ा गया। उनके अनुसार यह शब्द संविधान की मूल प्रकृति से मेल नहीं खाता, इसकारण अक्सर चर्चा का विषय बन जाता है। स्वामी सरस्वती ने कहा कि मूल रूप से संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं था, इस शब्द को बाद में जोड़ा गया। इसी कारण हैं कि यह भारतीय संविधान की प्रकृति के अनुरूप नहीं है और इस मुद्दे को बार-बार उठाया जाता है।

महाराज के अनुसार कि धर्म का अर्थ है सही और गलत के बारे में सोचना और सही को अपनाना और गलत को अस्वीकार करना। शंकराचार्य ने कहा, धर्मनिरपेक्ष होने का मतलब है कि हमें सही या गलत से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसा किसी के जीवन में नहीं हो सकता। इसलिए यह शब्द भी सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ये शब्द आपातकाल के दौरान जोड़े थे और ये बीआर अंबेडकर द्वारा तैयार मूल पाठ का हिस्सा नहीं थे।

कांग्रेस नेताओं ने दत्तात्रेय की टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की आलोचना की है, जबकि उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनकी मांग का समर्थन किया है। सीपीआई सांसद पी संदोष कुमार ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर सवाल किया कि क्या संगठन वास्तव में भारतीय संविधान को स्वीकार करता है। भागवत को लिखे पत्र में सीपीआई सांसद ने कहा कि अब समय आ गया है कि आरएसएस ध्रुवीकरण के लिए इन बहसों को भड़काना बंद करे। उन्होंने कहा कि ये शब्द ÷मनमाने ढंग से डाले गए÷ नहीं बल्कि आधारभूत आदर्श हैं।

सुप्रीम कोर्ट की वकील को 9 दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, जालसाजों ने ठग लिए 3 करोड़

नोएडा। सेक्टर-47 में रहने वाली सुप्रीम कोर्ट में वकील रह चुकी बुजुर्ग महिला को नौ दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर तीन करोड़ 29 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने उनसे दिल्ली, महाराष्ट्र और कोलकाता में खुले बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई। आशंका जताई जा रही है कि ठगी की रकम किराये के खातों में गई। पूछताछ के क्रम में जालसाजों ने महिला को 16 जून से 24 जून तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। महिला के बैंक खातों और उसमें जमा राशि के बारे में जानकारी एकत्र की। महिला से कहा गया कि वह अपनी एफडी तुड़वा लें और सारी रकम उनके बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दें। ठगों द्वारा यह भी वादा किया गया कि जांच के बाद पूरी रकम मूल खाते में वापस आ जाएगी। महिला को लगा वह सच में बड़े संकट में फंस गई हैं और पुलिस अधिकारी उसको केस से बाहर निकालने में मदद कर रहे हैं। झांसे में आने के बाद महिला ने ठगों द्वारा बताए खाते में पांच बार में करीब तीन करोड़ 30 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

यूपी में दुकानों के साइनबोर्ड पर नाम और पहचान लिखने को लेकर राजनीति शुरु

-सपा कर रही तुष्टिकरण की राजनीति, नाम लिखने में क्या दिक्कत : पाठक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी दुकानों को अपने साइनबोर्ड पर मालिक का नाम और पहचान दिखाना अनिवार्य कर दिया है। इस फैसले पर सपा समेत विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं। इस पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया है।

पाठक ने गुरुवार को कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग हमेशा प्रदेश में तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। उनका तुष्टिकरण का पुराना इतिहास है। हमारी प्रतिबद्धता कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद करना है और हर स्थिति में कानून व्यवस्था को मेंटेन करेंगे। धर्म-कर्म के लिए कांवड़ यात्रा पर जाने वाले लोगों को कोई दिक्कत न हो, इसकी व्यवस्था की जाएगी। साथ ही व्रत के दौरान खाने-पीने की दुकान शुद्ध मिले, इसकी भी व्यवस्था करेंगे।

उन्होंने कहा कि हर खरीदार का अधिकार है कि वह जाने कि विक्रेता कौन है और वह

किससे सामग्री खरीद रहा है। इस मुद्दे को उठाकर सपा राजनीति कर रही है। सपा प्रदेश को आतंक और दंगों की आग में झोंकना चाहती है। मैं पूछता हूं कि अगर कोई खाने-पीने का सामान बेच रहा है तो उसे नाम लिखने में क्या दिक्कत है? समाजवादी पार्टी के लोगों के बयान निंदनीय हैं। वहीं मंत्री दयाशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि किसी को पहचान बताने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। मैं खुद मंत्री हूं और जहां भी जाता हूं या रहता हूं, मुझसे भी पहचान पत्र मांगा जाता है और मैं दिखाता भी हूं। इसमें अपमानजनक कुछ नहीं है।

मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि अगर सरकार सावन के पवित्र महीने में पवित्र कांवड़ यात्रा में भाग लेने वाले हमारे भक्तों की सुरक्षा के लिए काम कर रही है, तो इससे किसी को क्या परेशानी है? हमें इस बात की निगरानी क्यों नहीं करनी चाहिए कि उन्हें क्या परोसा जा रहा है? मैं पूछता हूं कि नाम छिपाने के पीछे कौन सी मजबूरी है?

कांवड़ियों के लिए मेरठ रोड और एक्सप्रेसवे पर बंद होंगे भारी वाहन, वन वे होगा लागू

गाजियाबाद (एजेंसी)। कांवड़ियों को कहीं कोई असुविधा न हो इसके लिए दिल्ली-मेरठ रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। वहीं, 15 जुलाई से इन मार्गों को वन-वे किया जा सकता है। इसके अलावा दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर डासना से मेरठ तक भी यही व्यवस्था लागू करने की योजना है। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस लाइन में अंतरराज्यीय स्तर पर समन्वयक बैठक हुई। इसमें कांवड़ यात्रा को लेकर की गईं तैयारियों पर चर्चा की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि 11 जुलाई से दिल्ली-मेरठ रोड और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के चौथे फेज (डासना से मेरठ) पर भारी वाहनों का संचालन बंद कर करने की तैयारी है। इस दौरान गंगनहर पटरी और पाइपलाइन मार्ग पर भी भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद करने की योजना है।

उन्होंने बताया कि दूधेश्वरनाथ मंदिर के आसपास और जीटी रोड पर अंतिम चार दिन के दौरान रूट डायवर्जन किया जा सकता है। ऐसे में वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करना होगा। इस बार अतिरिक्त मार्गों पर पुलिसबल मौजूद रहेगा, ताकि कोई भी वाहन कांवड़ मार्ग पर न आ सके। शिवरात्रि और कांवड़ यात्रा के दौरान दूधेश्वरनाथ मंदिर समेत सभी मार्गों की ड्रोन से निगरानी होगी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के अनुसार, रूट डायवर्जन प्लान लागू होने के बाद दिल्ली से आने वाले वाहन चौधरी चरण सिंह मार्ग (रोड नंबर 58) का प्रयोग कर यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) होते हुए एनएच-9 से जा सकेंगे। वहीं, दिल्ली से जिन्हें हरिद्वार, अमरोहा, मुरादाबाद और लखनऊ आदि स्थानों पर जाना है, वे यूपी गेट से प्रवेश कर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए डासना से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होते हुए जा सकेंगे। इसके अलावा एनएच नौ के जरिये हापुड़ होते हुए मेरठ भी जा सकेंगे। वहीं, बुलंदशहर और हापुड़ की ओर से आने वाले वाहन लालकुआं से सीधे गाजियाबाद शहर की ओर न आकर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए दिल्ली जा सकेंगे।

जीटी रोड भी बंद होगा

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के मुताबिक, सावन के पहले सोमवार से जीटी रोड स्थित दूधेश्वरनाथ मंदिर के आसपास का मार्ग बंद करने की योजना है। अभी बनी योजना के अनुसार, चौधरी मोड़ से हापुड़ तिराहा या मेरठ तिराहा की ओर जाने वाले वाहन घंटाघर फ्लाईओवर से होकर भेजे जा सकते हैं।फ्लाईओवर के नीचे से किसी भी वाहन को जाने नहीं देने की योजना है। विजयनगर की तरफ से भी वाहन को गोशाला बैरियर से आगे दूधेश्वरनाथ की ओर नहीं भेजने की योजना है। हालांकि, यह व्यवस्था श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए लागू की जाएगी।

बिहार वोटर लिस्ट पर जो काम हो रहा है उसकी निगरानी करें: आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर बिहार में चुनाव से ठीक पहले हो रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से संबंधित मुद्दों पर

अपनी शंका, आपत्ति दर्ज की तो आयोग ने उन्हें संवैधानिक व्यवस्था में आयोग को दिये गए लिखित अधिकारों की पुस्तिका पकड़ा दी। फिर उनसे पूछा, आप बताएं आयोग कहाँ और कौन सा गैर कानूनी, गैर संवैधानिक कार्य कर रहा है। आयोग वही कर रहा है जो आयोग का कर्तव्य है। अधिकार है।

चर्चा के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने निर्वाचन आयोग के मुख्यालय में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक आज शाम को आयोजित की गई, जिसमें सभी पक्षों के विचारों को सुनने के लिए आयोग ने प्रत्येक राजनीतिक दल से दो-दो प्रतिनिधियों को शामिल करने का निर्णय लिया। कुछ प्रतिनिधियों को अपॉइंटमेंट दिया गया था, जबकि कुछ बिना अपॉइंटमेंट, बिना पूर्व सूचना के आये आयोग सूत्रों ने बताया उन्हें भी बैठक में शामिल होने की अनुमति प्रदान की गई। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि बिहार में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का आयोजन भारत के संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपी एक्ट) 1950 और 24 जून 2025 को जारी निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अद्यतन और सटीक बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने एसआईआर से संबंधित कई महत्वपूर्ण चिंताएँ और सुझाव रखे। इनमें मतदाता सूची में त्रुटियों का सुधार, नए मतदाताओं का पंजीकरण, डुप्लिकेट प्रविष्टियों को हटाना और तकनीकी व प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे मुद्दे शामिल थे। आयोग ने प्रत्येक प्रतिनिधि द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों का विस्तार से जवाब दिया और उनकी चिंताओं का समाधान करने का पूर्ण आश्वासन दिया। आयोग ने इस प्रक्रिया को पारदर्शी, समावेशी और निष्पक्ष बनाने के लिए सभी दलों के सहयोग की सराहना की। निर्वाचन आयोग ने विशेष रूप से सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए 1.5 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) नियुक्त किए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

वाशिंगटन में अपना मुख्यालय नई जगह पर शिफ्ट कर रही एफबीआई

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई ने मंगलवार को कहा कि वह अपना मुख्यालय अपने वर्तमान मुख्यालय से कई ब्लॉक दूर वाशिंगटन के किसी अन्य स्थान पर ले जा रही है। एफबीआई और जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि अब नया मुख्यालय रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग परिसर में होगा। अभी एफबीआई का ऑफिस पेंसिल्वेनिया एवेन्यू पर है, जिसे 1975 में बनाया गया था। पहले बाइडन प्रशासन ने योजना बनाई थी कि एफबीआई को मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट शहर में ले जाया जाएगा। लेकिन अब योजना बदल गई है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि एफबीआई का मुख्यालय शहर से बाहर ले जाना बहुत समय और अरबों डॉलर खर्च करने वाला काम होता, इसलिए इसे वाशिंगटन में ही शिफ्ट किया जा रहा है।

नासा ने अनिल मेनन को पहली बार अंतरिक्ष स्टेशन मिशन के लिए नियुक्त किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक अन्य अहम घटनाक्रम में देश की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन को पहली बार अंतरिक्ष स्टेशन मिशन के लिए नियुक्त किया है। अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपने पहले मिशन पर रवाना होंगे। इसमें वे फ्लाइट इंजीनियर और एक्सपीडिशन 75 के चालक दल के सदस्य के रूप में काम करेंगे। मेनन जून 2026 में रोस्कोस्मोस सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान पर सवार होकर रवाना होंगे। उनके साथ रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री प्योत्र डबरोव और अन्ना किकिना भी होंगे। कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से इस यान को लॉन्च किया जाएगा। तीनों लगभग आठ महीने प्रयोगशाला में बिताएंगे।

जलवायु परिवर्तन से अमेरिका पर असर वाली प्रमुख रिपोर्ट वेबसाइटों से हटाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। कुछ जरूरी रिपोर्टें, जो यह बताती हैं कि जलवायु परिवर्तन अमेरिका को कैसे प्रभावित कर सकता है, अब सरकारी वेबसाइटों से गायब हो गई हैं। इसके चलते राज्य और स्थानीय सरकारों और जनता के लिए यह जानना कठिन हो गया है कि गर्म होती दुनिया से उन्हें क्या उम्मीद करनी चाहिए। राष्ट्रीय आकलन और अमेरिकी वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान कार्यक्रम की वेबसाइटें सोमवार और मंगलवार को बंद रहीं, तथा अन्यत्र कोई लिंक, नोट या संदर्भ भी उपलब्ध नहीं थे। नासा की वेबसाइट पर खोज करने पर भी ये जानकारी नहीं मिली। नासा ने जानकारी के लिए किए गए अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन, जिसने आकलन में जानकारी का समन्वय किया, ने बार-बार पूछताछ का जवाब नहीं दिया। आकलन के लिए जिम्मेदार व्हाइट हाउस ने कहा कि कानून के अनुपालन के लिए जानकारी नासा के पास ही रखी जाएगी, लेकिन इस संबंध में कोई और ब्योरा नहीं दिया।

ट्रंप ने कहा- टिलिस सीट के लिए उनकी बहू पहली पसंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर उत्तरी कैरोलिना से रिपब्लिकन नेता थॉम टिलिस फिर से चुनाव नहीं लड़ते, तो उनकी बहू लारा ट्रंप इस सीट के लिए उनकी पहली पसंद होंगी। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अब लारा ट्रंप उस राज्य में नहीं रहती हैं। यह साफ नहीं है कि ट्रंप अब लारा को उम्मीदवार नहीं बनाना चाहते या उनका वहां न रहना उन्हें चुनाव लड़ने से रोक सकता है। टिलिस ने रविवार को कहा कि वे अगला चुनाव नहीं लड़ेंगे। यह फैसला उन्होंने ट्रंप के बड़े टैक्स छूट और खर्च कम करने के फैसले का विरोध करने के बाद लिया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस सीट के लिए कौन-कौन चुनाव लड़ेंगे, लेकिन उन्होंने इशारा किया कि कोई सांसद मैदान में उतर सकता है, हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

सेना प्रमुख का भूटान के सैन्य नेतृत्व से रक्षा सहयोग पर जोर

थिम्पू, एजेंसी। भूटान की आधिकारिक यात्रा पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का थिम्फू में रॉयल भूटान आर्मी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सेना प्रमुख ने वरिष्ठ भूटानी सैन्य नेतृत्व से मिलकर भारत-भूटान के बीच स्थायी रक्षा सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। वह चार दिनी दौरे पर भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और रॉयल भूटान आर्मी के मुख्य परिचालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल बाटू से भी चर्चा करेंगे।

शुभांशु शुक्ला ने मांसपेशी स्टेम सेल पर किया अनुसंधान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मांसपेशियों के स्वास्थ्य, अंतरिक्ष में पाचन और अंतरिक्ष यात्री मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित वैज्ञानिक प्रयोग किए। उन्होंने भारतीय स्कूली छात्रों के लिए एक शैक्षिक वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसमें बताया गया कि मानव पाचन तंत्र अंतरिक्ष में कैसे काम करता है। नासा के मुताबिक, शुक्ला नेग्लोवबॉक्स के अंदर काम किया ताकि यह अध्ययन किया जा सके कि मांसपेशी स्टेम कोशिकाएं सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में कैसे व्यवहार करती हैं।

भारत नहीं मानेगा, पाकिस्तान को जल भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी : शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी। अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। तब से पाकिस्तान कई बार भारत से संधि को बहाल करने की गुहार लगा चुका है। लेकिन भारत की ओर से पाकिस्तान के अनुरोध को कोई तवज्जो नहीं दी गई है। यही वजह है कि अब खुद पाकिस्तान भी इस हकीकत को कबूल करने लगा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि भारत ÷पानी को हथियार बना÷ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के कथित इरादों के जवाब में पाकिस्तान को अपनी जल भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। शरीफ ने यह बयान इस्लामाबाद में नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर (एनईओसी) के दौरे के दौरान दिया, जहां उन्होंने भारत पर सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को एकतरफा निलंबित करने का आरोप लगाया।

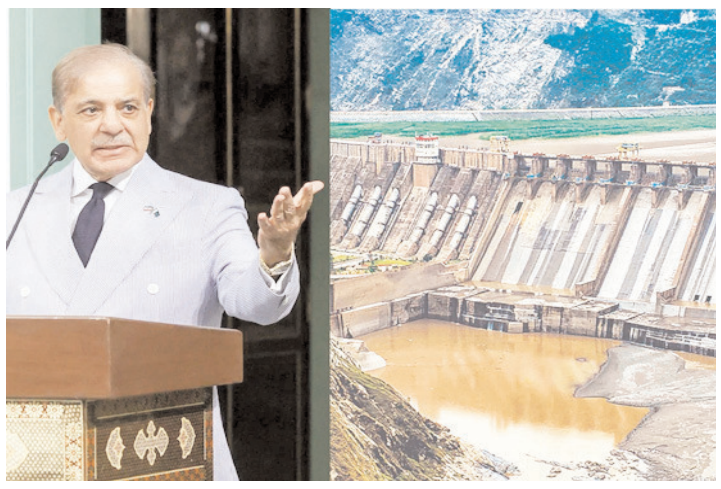

क्या है सिंधु जल संधि और पाक से तनाव : सिंधु जल संधि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मध्यस्थता में हस्ताक्षरित एक ऐतिहासिक समझौता है, जो सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों के जल बंटवारे को नियंत्रित करता है। इसके तहत, भारत को सतलज, ब्यास और रावी नदियों पर पूर्ण नियंत्रण दिया गया, जबकि सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों का पानी मुख्य रूप से पाकिस्तान को आवंटित किया गया। हाल के वर्षों में, खासकर अप्रैल 2025 में भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने संधि को ÷निलंबित÷ करने की घोषणा की। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई। भारत का कहना है कि उसका यह कदम राष्ट्रीय हित में है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने अप्रैल में स्पष्ट किया था कि ÷मोदी सरकार का सिंधु जल संधि पर लिया गया ऐतिहासिक निर्णय पूरी तरह से उचित और राष्ट्रीय हित में है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सिंधु नदी का एक बूंद पानी भी पाकिस्तान को न जाए।÷ यह बयान भारत की उस नीति को दर्शाता है, जो आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रखती है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी स्पष्ट शब्दों में कहा है कि सिंधु जल संधि अब कभी बहाल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पाक को जाने वाला पानी भारत के राजस्थान जैसे राज्यों की ओर मोड़ा जाएगा।

भारत के कदमों के जवाब में जल भंडारण क्षमता बढ़ाने का फैसला किया: पीएम शहबाज : भारत के फैसलों को पाकिस्तान कड़वे घूंट की तरह स्वीकार करने लगा है। शहबाज शरीफ ने जोर देकर कहा कि अब खुद पाकिस्तान को ही अपने जल की भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। शहबाज शरीफ ने मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा, ÷भारत ने जल संसाधनों को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश की है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। इसके जवाब में हम गैर-विवादास्पद जल भंडारण परियोजनाओं को तेजी से लागू करेंगे।÷ पाक पीएम ने कहा कि भारत को सिंधु जल संधि को एकतरफा तौर पर निलंबित करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ÷लेकिन दुश्मन के पास पाकिस्तान के खिलाफ कुछ नापाक इरादे हैं और वह जल संधि के खिलाफ कदम उठाना चाहता है। इसके लिए सरकार ने फैसला किया है कि हम अपना जल भंडारण बनाएंगे।÷ उन्होंने 1991 के जल समझौते का हवाला देते हुए कहा कि इसमें प्रांतों के बीच जल भंडारण क्षमता बढ़ाने का प्रावधान है। सरकार डायमर भाशा बांध जैसे संसाधनों का उपयोग करेगी। भारत ने जम्मू-कश्मीर में कई प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। इससे भी पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। भारत ने तुलबुल नेविगेशन परियोजना को दोबारा शुरू करने और जम्मू-कश्मीर में बांधों की डिसिल्टिंग और फ्लशिंग की प्रक्रिया को तेज करने का फैसला किया है। पाक पीएम ने इस पर भी विरोध जताया। उन्होंने कहा कि ये कदम सिंधु जल संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में खेती के लिए जल आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं। शहबाज ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान अपनी जल सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए डायमर भाषा और अन्य बांधों के निर्माण को अपने संसाधनों से तेज करेगा।

अमेरिका के पास हो गई हथियारों की कमी? यूक्रेन की सप्लाई रोकी, बीच युद्ध में दिया झटका

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका ने अपने हथियारों के भंडार में कमी होने का हवाला देते हुए यूक्रेन को भेजे जाने वाले कुछ हथियारों की खेप की आपूर्ति रोक दी है। अमेरिकी अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अमेरिका का हथियारों की आपूर्ति रोकना यूक्रेन के लिए एक झटका है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के नेतृत्व वाले प्रशासन ने यूक्रेन को कुछ हथियार देने का वादा किया था ताकि वह रूस के खिलाफ जारी युद्ध में अपनी सुरक्षा कर सके। हथियारों की आपूर्ति पर यह रोक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की नई प्राथमिकताओं को दर्शाती है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा अमेरिका के हथियार भंडार की समीक्षा किए जाने और इसमें कमी को लेकर चिंता जताए जाने के बाद यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति रोकी गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रवक्ता एना केली ने एक बयान में कहा, हमारे देश के सैन्य सहयोग और दुनिया भर के अन्य देशों को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा के बाद अमेरिका के हितों को सर्वोपरि रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। केली ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर मिसाइल हमले का ट्रंप द्वारा हाल में आदेश दिए जाने का जिक्र करते हुए कहा, अमेरिका की सशस्त्र सेनाओं की ताकत पर कोई सवाल नहीं उठा सकता- ईरान से पूछिए। अधिकारी ने कहा कि पेंटागन के पास कुछ हथियारों का भंडार कम पाया गया है। रक्षा मंत्रालय ने यह विवरण नहीं दिया कि कौन से विशिष्ट हथियारों की आपूर्ति रोकी गई है। मंत्रालय के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा, अमेरिका की सेना पहले कभी इतनी तैयार और सक्षम नहीं रही।

ट्रम्प ने जापान पर 35प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी, अमेरिका से चावल न खरीदने पर भी नाराजगी जताई थी

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने धमकी दी है कि अगर अगले हफ्ते तक अमेरिका और जापान के बीच कोई व्यापार समझौता नहीं होता है, तो वे जापान से आने वाले सामान पर 30प्रतिशत या 35प्रतिशत तक का भारी टैक्स (टैरिफ) लगा देंगे।

ट्रम्प इससे पहले भी 2 अप्रैल को जापान पर 24प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं। उस वक्त उन्होंने कई देशों पर भी भारी टैक्स लगाने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने 90 दिनों के लिए टैरिफ घटाकर 10प्रतिशत कर दिया था ताकि देश बातचीत कर सकें। यह 90 दिनों की समय-सीमा 9 जुलाई को खत्म हो रही है और ट्रम्प ने साफ कहा है कि वे इसे आगे बढ़ाने के मूड में नहीं हैं। ट्रम्प को शक है कि जापान के साथ कोई समझौता हो पाएगा। उन्होंने मंगलवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि उनकी जापान से बात हुई है लेकिन उन्हें नहीं लगता कि कोई सौदा होगा। जापान ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अभी अमेरिका, जापान के ज्यादातर सामान पर 10प्रतिशत टैक्स लगा रहा है। जापानी कारों और उनके पुर्जों पर 25प्रतिशत और स्टील-एल्युमीनियम पर 50प्रतिशत का टैक्स भी है। जापान के चीफ कैबिनेट सचिव ने कहा है कि वे ऐसा कोई समझौता नहीं करेंगे जिससे उनके किसानों को नुकसान हो। ट्रम्प ने खास तौर पर जापान के अमेरिकी चावल न खरीदने पर नाराजगी जताई थी।

ट्रम्प बोले- भारत से व्यापार समझौता जल्द होगा: टैरिफ काफी कम होंगे, 9 जुलाई से पहले होनी है दोनों देशों में डील

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक व्यापार समझौता होगा। जिसमें टैरिफ काफी कम होंगे। ट्रम्प ने इसे दोनों देशों के बाजारों में बेहतर प्रतिस्पर्धा के लिए अच्छ बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत के साथ हमारी डील होने जा रही है। और यह एक अलग तरह की डील होगी। ऐसी डील, जिसमें हम भारत के बाजार में प्रवेश कर सकें और प्रतिस्पर्धा कर सकें। अभी भारत किसी को अंदर आने नहीं देता। लेकिन मुझे लगता है कि भारत अब ऐसा करेगा। और अगर ऐसा हुआ, तो हम कम टैरिफ वाली डील कर पाएंगे। भारत और अमेरिका के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वॉशिंगटन में बीते 6 दिनों से बातचीत जारी है। इसका मकसद 9 जुलाई की अहम डेडलाइन से पहले एक अंतरिम समझौता करना है।

ट्रेड डील नहीं होने से भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगेगा : भारत और अमेरिका के बीच अगर 9 जुलाई तक कोई समझौता नहीं हुआ हुआ तो भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लग सकता है। यह वो तारीख है जब ट्रम्प के सस्पेंडेड टैरिफ दोबारा लागू होंगे। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के करीब 100 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगा। फिर 9 अप्रैल को ट्रम्प प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया। ट्रम्प ने ये समय भारत जैसे देशों को डील पर फैसले लेने के लिए दिया है।

न्यूज एजेंसी एएनआई ने एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि अगर बातचीत नाकाम रहती है, तो 26 प्रतिशत का टैरिफ स्ट्रक्चर तुरंत प्रभाव से फिर से लागू हो जाएगा अमेरिका कृषि व डेयरी में शुल्क रियायत की मांग कर रहा है। हालांकि भारत ने रुख कड़ा किया है। भारत का मानना है कि जीएम फसलों, कृषि व डेयरी प्रोडक्ट, मेडिकल डिवाइस व डेटा लोकलाइजेशन में ज्यादा छूट दी, तो खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने वॉशिंगटन में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। 2023 तक व्यापार को 500 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य

भारत-अमेरिका डील से जुड़े लोगों ने बताया- हफ्तों पहले हुई बातचीत में मुख्य रूप से भारत और अमेरिका में इंडस्ट्री और कृषि उत्पादों के लिए ज्यादा बाजार पहुंच, टैरिफ में कटौती और नॉन-टैरिफ बैरियर्स पर फोकस रहा। अमेरिकी डेलिगेशन की अगुआई यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ऑफिस के अधिकारियों ने की। जबकि भारतीय व्यापार मंत्रालय की टीम की कमान सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल कर रहे थे। इस समझौते का लक्ष्य दोनों देशों के बीच सालाना द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 अरब डॉलर (करीब 16 लाख करोड़) से बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर (करीब 43 लाख करोड़) तक ले जाना है।

70प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले कजाकिस्तान में हिजाब बैन

चेहरा ढकने वाले काले कपड़ों पर भी पाबंदी, राष्ट्रपति बोले- राष्ट्रीय पहचान वाले कपड़े पहने

अस्ताना, एजेंसी। कजाकिस्तान ने सार्वजनिक जगहों पर चेहरा ढकने वाले कपड़ों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोमवार को राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकायेव ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए। इसमें कहा गया है कि चेहरा ढकने वाले कपड़े, जिनसे किसी की पहचान छिपती है, सार्वजनिक जगहों पर नहीं पहने जा सकते। राष्ट्रपति तोकायेव ने कहा- चेहरा ढकने वाले काले कपड़ों की बजाय हमारे राष्ट्रीय कपड़े पहनना बेहतर है। ये कपड़े हमारी संस्कृति को दर्शाते हैं और इन्हें बढ़ावा देना चाहिए। हालांकि, बीमारी, खराब मौसम, खेल, या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इसकी छूट है। कजाकिस्तान सरकार ने 2023 में स्कूलों में हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का कहना है कि स्कूल यूनिफॉर्म के नियम हिजाब पहनने की इजाजत नहीं देते। इस फैसले के खिलाफ 150 लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था। कजाकिस्तान में करीब 70त्न लोग इस्लाम धर्म मानते हैं, जबकि ईसाई धर्म दूसरा सबसे बड़ा धर्म है।

सेंट्रल एशिया के कई देशों में चेहरा ढकने पर रोक : कजाकिस्तान के अलावा मध्य एशिया के कई देशों ने भी चेहरा ढकने वाले कपड़ों, जैसे नकाब और बुरका, पर रोक लगाई है। ये देश अपनी संस्कृति और सुरक्षा को बढ़ावा देना चाहते हैं। ताजिकिस्तानः 2024 में ताजिकिस्तान ने हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का कहना था कि यह राष्ट्रीय संस्कृति की रक्षा और कट्टरपंथ को रोकने के लिए है। नियम तोड़ने पर जुर्माना है। किर्गिस्तानः इसी साल किर्गिस्तान ने नकाब पर रोक लगाई है। नियम तोड़ने पर 230 डॉलर (20 हजार रुपए) का जुर्माना है। सरकार का कहना है कि यह सुरक्षा और लोगों की पहचान के लिए जरूरी है। उज्बेकिस्तान में बुरका और नकाब पर रोक है और नियम तोड़ने पर 250 डॉलर (22 हजार रुपए) से ज्यादा जुर्माना है। 2021 में हिजाब की इजाजत दी गई, लेकिन स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में इसे लेकर कुछ सीमाएं हैं। सरकार का कहना है कि यह सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता के लिए है। 2019 में ट्यूनीशिया ने सरकारी दफ्तरों में नकाब पर रोक लगाई, क्योंकि एक हफ्ते में तीन आत्मघाती बम हमले हुए थे। पहले 2011 तक इस्लामी कपड़ों पर रोक थी, जिसे बाद में हटा लिया गया। अल्जीरियाः 2018 में अल्जीरिया ने नौकरी वाली जगहों पर नकाब पर रोक लगाई, ताकि पहचान आसान हो। हिजाब की इजाजत है, लेकिन नकाब नहीं। मिस्रः 2023 में मिस्र ने स्कूलों में नकाब पर रोक लगाई। हिजाब की इजाजत है, बशर्ते चेहरा खुला रहे। क्यों लगाए जा रहे हैं ये प्रतिबंध? इन देशों का कहना है कि चेहरा ढकने वाले कपड़े सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं, क्योंकि इनसे लोगों की पहचान मुश्किल होती है। साथ ही, ये देश अपनी राष्ट्रीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना चाहते हैं।

नेपाल में एक महीने में बारिश से जुड़ी आपदाओं में 31 लोगों की मौत, 151 घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 28 मई से मानसून की शुरुआत हुई। जिसके बाद से एक महीने में बारिश से जुड़ी आपदाओं में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और 151 लोग घायल हो गए। इस संबंध में मंगलवार को अधिकारियों ने जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के प्रवक्ता सुरेश सुनार ने बताया कि 28 मई से 30 जून के बीच नेपाल में बारिश से जुड़ी 682 घटनाएं हुई हैं। इनमें बाढ़, भूस्खलन, बिजली गिरना और आंधी-तूफान जैसी आपदाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन प्राकृतिक आपदाओं में कम से कम 31 लोगों की मौत हुई है और 151 लोग घायल हो गए हैं। इसके अलावा, घटनाओं में एक व्यक्ति लापता भी हुआ है।

राहत-बचाव कार्यों के लिए निजी हेलीकॉप्टरों की ली जाएंगी सेवाएं : सुरेश सुनार ने बताया कि बढ़ती स्थिति के मद्देनजर एनडीआरआरएमए और नागरिक उड्डयन संचालन संघ ने मंगलवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत मानसून के मौसम में आवश्यकतानुसार राहत और बचाव कार्यों के लिए निजी हेलीकॉप्टरों की सेवाएं ली जाएंगी।

बिजली गिरने से हुई सबसे ज्यादा आठ मौतें : सुनार ने बताया कि बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत हुई है, जबकि बाढ़ और ऊंचाई पर

होने वाली बीमारियों से चार-चार लोगों की मौत हुई। आग लगने की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हुई, जबकि जानवरों के हमले में आठ लोगों की मौत हुई। दो लोगों की मौत सांप के काटने से हुई और एक-एक व्यक्ति की मौत आंधी और भारी बारिश के कारण हुई।

प्राकृतिक आपदाओं में 222 पशुओं की भी हुई मौत : सुरेश सुनार ने बताया कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण 222 पशुओं की भी मौत हुई है। इसके अलावा, 333.43 मिलियन नेपाली रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ से कुल 97 घर क्षतिग्रस्त हुए और 1,026 परिवार प्रभावित हुए।

ट्रम्प बोले-इजराइल गाजा में 60 दिन के सीजफायर को तैयार, हमास को चेतावनी दी; कहा- समझौते को नहीं माना तो हालात और बिगड़ जाएंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि इजराइल गाजा में 60 दिन का सीजफायर करने को तैयार हो गया है। इस दौरान सभी पक्षों से मिलकर युद्ध खत्म करने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने हमास को चेतावनी दी कि अगर उसने समझौते को नहीं माना तो हालात और बिगड़ जाएंगे। ट्रम्प ने कहा कि कतर और मिस्र इस समझौते का अंतिम प्रस्ताव हमास तक पहुंचाएंगे। ये दोनों देश लंबे समय से शांति लाने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, मेरे लोगों ने आज इजराइली अधिकारियों से गाजा को लेकर अच्छी बातचीत की। इजराइल 60 दिन के संघर्षविराम को मान गया है। अब हम सभी पक्षों से बातचीत कर जंग खत्म करने की कोशिश करेंगे। उम्मीद है कि हमास इस प्रस्ताव को मानेगा, क्योंकि इससे बेहतर मौका नहीं मिलेगा। अगर इस बार चूके तो हालात और खराब होंगे। उन्होंने कहा, 60 दिनों के सीजफायर के दौरान हम युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करेंगे। कतर और मिस्र के लोगों ने शांति बहाल करने में बहुत मेहनत की है, वे इस अंतिम प्रस्ताव को पेश करेंगे।अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास को चेतावनी देने के अंदाज में कहा, मुझे उम्मीद है कि मध्य पूर्व की भलाई के लिए हमास इस समझौते को स्वीकार करेगा, क्योंकि इससे बेहतर स्थिति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि सीजफायर के लिए राजी न होने पर हालात और खराब ही होंगे। ईरान-इजरायल के बाद अब गाजा में भी शांति आने वाली है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि

इजरायल ने गाजा में 60 दिनों के सीजफायर पर सहमति जता दी है. हालांकि इसके लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं. ट्रंप ने इस मसले को लेकर हमास को चेतावनी भी दी है. उन्होंने हमास से कहा है कि स्थिति और बिगड़ने से पहले समझौते को स्वीकार कर लें. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा, मेरे प्रतिनिधियों ने आज गाजा इजरायल के मुद्दे पर इजरायली नेताओं के साथ एक लंबी और कारगर बैठक की. इजरायल ने 60 दिन के युद्ध विराम को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक शर्तों पर सहमति व्यक्त की है, जिसके दौरान हम युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करेंगे. कतर और मिस्र के नेताओं, जिन्होंने शांति लाने में बहुत मेहनत की है, इस अंतिम प्रस्ताव को पेश करेंगे. मुझे उम्मीद है कि मिडल ईस्ट की भलाई के लिए हमास इस समझौते को स्वीकार करेगा, क्योंकि अगर वह ऐसा नहीं करता है तो यह बेहतर नहीं होगा बल्कि और बदतर होता जाएगा. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सात जुलाई को व्हाइट हाउस में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मेजबानी करेंगे. व्हाइट हाउस ने द इजरायल टाइम्स से इसकी पुष्टि की है. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगले सोमवार को वॉशिंगटन डीसी का दौरा करेंगे। यहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मॉडल अंजलि वर्मोरा की आत्महत्या का रहस्य सुलझा

प्रेमी चिंतन द्वारा झूठे शादी के वादे और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर की आत्महत्या

प्रेमी के खिलाफ दर्ज हुई शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की 23 वर्षीय मॉडल अंजलि वर्मोरा ने 8 जून को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। अब इस आत्महत्या का रहस्य सामने आ गया है। जांच में पता चला है कि अंजलि ने अपने प्रेमी चिंतन द्वारा दिए गए मानसिक अत्याचार के कारण यह कदम उठाया। फिलहाल अठवा लाइंस पुलिस ने चिंतन अग्रावत के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के अठवा इलाके में 8 जून को 23 वर्षीय मॉडल अंजलि वर्मोरा ने दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। अंजलि की मौत के बाद कई सवाल खड़े हो गए थे। अब पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ है कि यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि अंजलि के प्रेमी ने पहले तो उससे प्रेम संबंध बनाए और फिर शादी के झूठे वादे किए। लेकिन बाद में जब रिश्ते में खटास आई तो वह उसे जातिगत शब्दों से अपमानित करने लगा। इस तरह के लगातार मानसिक उत्पीड़न से तंग आकर अंजलि ने आत्महत्या का फैसला लिया।

अंजलि की कॉल डिटेल की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आत्महत्या से पहले ढाई घंटे के अंदर उसके मोबाइल पर कुल 23 कॉल्स हुए थे। इनमें मिस कॉल और उसने खुद जिन लोगों को कॉल किया वे भी

शामिल हैं। इन 23 कॉल्स में से 12 कॉल्स उसके प्रेमी चिंतन अग्रावत के थे। अंजलि ने चिंतन से 16 मिनट तक बातचीत भी की थी।

उल्लेखनीय है कि मृतक अंजलि वर्मोरा विभिन्न कंपनियों के साथ मॉडलिंग का काम करती थी। वह सूरत और अहमदाबाद के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में काम करती थी। जब कोई शूटिंग होती थी तभी वह बाहर जाती थी, बाकी समय वह घर पर ही रहती थी। अंजलि को अपने काम में परिवार का पूरा समर्थन प्राप्त था।

अब इस मामले में पुलिस चिंतन अग्रावत के खिलाफ दर्ज शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

अंजलि वर्मोरा ने 7 जून की देर रात 2 बजे पंखे से दुपट्टा बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या से एक दिन पहले मॉडल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो रील पोस्ट की थीं, जिसके कारण प्रारंभिक जांच में माना गया था कि उसने मानसिक तनाव के चलते यह कदम उठाया। हालांकि, ज 26 दिन बाद मॉडल की आत्महत्या का रहस्य सुलझ गया है।

उसका प्रेमी चिंतन बार-बार जातिसूचक शब्दों का उपयोग कर उसे अपमानित करता था और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। वह झूठे शादी के वादे भी करता था। इस अत्याचार और मानसिक पीड़ा के कारण अंजलि ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

फिलहाल अठवालाइंस पुलिस ने चिंतन अग्रावत के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

अंजलि चिंतन धर्मदास अग्रावत से बहुत प्यार करती थी और उससे शादी करना चाहती थी, लेकिन चिंतन उसे कहता था कि "तुम्हारी जाति और हमारी जाति अलग-अलग है, मेरा समाज ऊँची जाति का है और तुम्हारी जाति नीची है।" इस तरह चिंतन उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था और शादी नहीं करने के बहाने बनाकर उसे तंग करता था।

अंजलि रेवेन्यू मॉडल कास्टिंग एजेंसी में मॉडलिंग का काम करती थी।

अंजलि ने एक साल पहले ही मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा था। अलग-अलग कंपनियों के साथ काम करने के बाद पिछले कुछ महीनों से वह रेवेन्यू मॉडल कास्टिंग एजेंसी में मॉडलिंग कर रही थी। वह सूरत और अहमदाबाद के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स पर काम करती थी। जब शूटिंग का काम होता था तभी वह जाती थी, बाकी समय वह घर पर ही रहती थी।

जिस काम में वह लगी हुई थी, उसमें परिवार का पूरा समर्थन था। दोनों (अंजलि और चिंतन) बहुत खुशी से रहते थे। दिवाली के बाद दोनों की शादी कराने का निर्णय लिया गया था, हालांकि अब तक शादी की तारीख तय नहीं हुई थी।

नवसारी बाजार स्थित कार्तिक अपार्टमेंट में रहने वाली 23 वर्षीय अंजलि अल्पेशभाई वर्मोरा के परिवार में उसकी मां, एक भाई और एक बहन हैं। अंजलि एक मॉडल थी। अंजलि के भाई ने बताया कि मेरी दो बहनें हैं और मैं परिवार का इकलौता बेटा हूं। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है और अंजलि उससे छोटी थी।

मेरे पिता अल्पेशभाई वर्मोरा GEB कॉलोनी में काम करते थे, लेकिन ढाई साल पहले एक दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। उसके बाद से परिवार की सारी जिम्मेदारी मेरी मां ने संभाली है। मां भी काम करके पूरे परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं।

मॉडल के फोन में ढाई घंटे में आए 23 कॉल, जिनमें 12 कॉल उसके मंगेतर के थे

मॉडल अंजलि वर्मोरा की कॉल डिटेल की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आत्महत्या से पहले के ढाई घंटे में उसके मोबाइल पर कुल 23 कॉल्स हुए थे, जिनमें मिस्ड कॉल्स से लेकर उसके द्वारा किए गए कॉल्स भी शामिल हैं। इन 23 कॉल्स में से 12 कॉल उसके मंगेतर के थे।

इनमें अंजलि ने उससे 16 मिनट तक बातचीत की थी। बातचीत के बाद मंगेतर के कुछ मिस्ड कॉल्स भी उसके मोबाइल में देखे गए। इसके अलावा CDR (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) के अनुसार, अंजलि ने 7 जून की शाम और रात को अपनी मां, बहन, जीजा और भाई को भी फोन किया था। इतना ही नहीं, मॉडल ने व्हाट्सएप कॉल्स भी किए थे, ऐसा भी सामने आया है।

चिंतन ने वेलेंटाइन डे के दिन अंजलि को प्रपोज किया था

चिंतन ने पुलिस को आगे बताया कि करीब 4 साल पहले उसकी अंजलि से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। वर्ष 2021 में वेलेंटाइन डे के दिन उसने अंजलि को प्रपोज किया था। इसके बाद दोनों के परिवारों की रज़ामंदी से उनकी सगाई तय हुई थी और 31 दिसंबर 2024 को उनकी शादी होनी थी।

हालांकि, चिंतन की मां के बीमारी के कारण निधन हो जाने पर उस समय शादी को रद्द कर दिया गया था।

सूरत से दिल्ली और बेंगलुरु की फ्लाइट फिर से शुरू होगी

केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने सूरत की रद्द की गई फ्लाइट्स को फिर से शुरू करने का भरोसा दिलाया: सी. आर. पाटिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के हवाई यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने सूरत से दिल्ली और सूरत से बेंगलुरु के बीच बंद की गई फ्लाइट्स को दोबारा शुरू करने का आश्वासन दिया है। यह आश्वासन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल द्वारा हाल ही में केंद्रीय उड्डयन मंत्री के साथ हुई बैठक में यह मुद्दा उठाए जाने के बाद मिला है।

हाल ही में केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू और केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई थी। इस बैठक के दौरान

सी. आर. पाटिल ने सूरत की हवाई कनेक्टिविटी के मुद्दे को प्राथमिकता देते हुए इंडिगो एयरलाइंस द्वारा संचालित दिल्ली-सूरत-दिल्ली फ्लाइट और एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित दिल्ली-सूरत-बेंगलुरु फ्लाइट, जिन्हें अचानक बंद कर दिया गया था, उन्हें तुरंत दोबारा शुरू करने की पुरजोर मांग की थी।

सी. आर. पाटिल की इस मांग और सूरत के यात्रियों को हो रही परेशानी को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने इन फ्लाइट्स को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने का आश्वासन दिया है। यह निर्णय सूरत के नागरिकों, व्यापारियों और यात्रियों के लिए वास्तव में एक बड़ी राहत है।

गौरतलब है कि उपरोक्त रूट्स पर फ्लाइट्स रद्द होने के कारण सूरत के यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों के साथ सीधी हवाई कनेक्टिविटी टूट जाने से व्यापारिक गतिविधियों, पर्यटन और व्यक्तिगत यात्राओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा था।

अब जबकि इन फ्लाइट्स को फिर से शुरू करने का आश्वासन मिला है, इससे यात्रियों का समय और पैसा दोनों बचेगा और उनकी यात्रा पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक बन सकेगी।

दमण के युवक के साथ ऑनलाइन 27.90 लाख रुपये की ठगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दमण के डाभेल क्षेत्र में रहने वाले राकेश भुनेश्वर चौरसिया ने 2 दिसंबर 2024 को डाभेल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी। उन्होंने बताया कि 11 नवंबर 2024 को उनके पास एक कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को टेलीकॉम विभाग का अधिकारी बताया और कहा कि उनके नंबर से अवैध विज्ञापन और धमकी भरे मैसेज भेजे जा रहे हैं। इसके चलते उन पर एफआईआर दर्ज हो सकती है। इस मामले को बंद करने के लिए क्लेरिफिकेशन लेटर मंगवाने को कहा गया।

अगले दिन कॉलर ने खुद को अंधेरी पुलिस स्टेशन से बोलने वाला बताया और कहा कि यदि क्लेरिफिकेशन नहीं करवाया गया तो उन्हें तीन महीने जेल में रहना पड़ सकता है। या फिर 24 घंटे के भीतर क्लेरिफिकेशन करवा लें। इसके बाद कॉलर ने उन्हें RBI से खाता निरीक्षण करवाने के नाम पर दो अलग-अलग बैंक खातों में कुल 27.90 लाख रुपये ट्रांसफर करवाए। कॉलर ने भरोसा दिलाया था कि क्लेरिफिकेशन के बाद सारे पैसे वापस मिल जाएंगे। लेकिन जब पैसे वापस नहीं आए, तब युवक को एहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हुई है।

इन 7 आरोपियों की हुई गिरफ्तारी:

1.नितिन सतीश जांगड़ा- हरियाणा से

2.महिपाल गोपीलाल सियाक उर्फ बिश्नोई- राजस्थान के फलोदी से

3.पंकज शरवण कुमार करवासरा- उत्तर प्रदेश के एटा से

4.अभिषेक तपन चक्रवर्ती- मध्यप्रदेश के इंदौर से

5.स्वप्न मधुसूदन मोडक- मध्यप्रदेश के इंदौर से

6.अनिस उज्जमन उर्फ अमीन उज्जमन सरकार- पश्चिम बंगाल के बारासात से

7.सिद्धार्थ दीपक विश्वास- पश्चिम बंगाल के कमलपुर से

इन सभी को पुलिस ने अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किया है।

खाड़ी बाढ़ से राहत के लिए कुमार काणाणी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बार-बार आने वाली खाड़ी बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए समाजसेवी और पद्मश्री मथुरभाई सवाणी द्वारा मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल को लिखे गए पत्र को सूरत के विधायक कुमार काणाणी ने पूरा समर्थन दिया है। काणाणी ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर मथुर सवाणी द्वारा सुझाए गए खाड़ी डायवर्जन प्लान पर तुरंत सर्वे करवाकर उसकी संभावनाओं की जांच करने और यदि संभव हो तो उस योजना को अमल में लाने की सिफारिश की है।

कुमार काणाणी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि मथुरभाई सवाणी ने सूरत को खाड़ी बाढ़ की स्थिति से मुक्त कराने के लिए मुख्यमंत्री, सूरत के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और अधिकारियों को एक पत्र लिखा है। इस पत्र के साथ खाड़ी डायवर्ट करने की योजना का विवरण भी शामिल है।

काणाणी ने मथुरभाई के सुझावों का महत्व बताते हुए कहा, "मुझे लगता है कि इस विषय पर तुरंत उनके द्वारा सुझाई गई योजना के अनुसार सर्वे किया जाए, उसकी संभाव्यता की जांच की जाए और यदि यह योजना संभव हो, तो इस पर आगे की कार्रवाई की जाए ताकि सूरत को बार-बार आने वाली खाड़ी बाढ़ से बचाया जा सके।"

उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि सूरत में हर साल भारी बारिश के बाद खाड़ी बाढ़ की समस्या उत्पन्न होती है, जिससे लाखों लोग प्रभावित होते हैं। यह एक वार्षिक समस्या है, जो भारी परेशानियों का कारण बनती है। इस खाड़ी बाढ़ से कैसे बचा जा सकता है, इसको लेकर उद्योगपति मथुर सवाणी ने एक विस्तृत योजना पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री और मुझे भी भेजा है। यह पत्र पढ़ने के बाद मुझे लगता है कि अगर इसे योजनाबद्ध तरीके से और यदि संभव हो तो अमल में लाया जाए, तो खाड़ी बाढ़ की समस्या निश्चित रूप से हल हो सकती है।

मेरा मानना है कि प्रशासन द्वारा तुरंत इस पर सर्वे करवाना चाहिए। अगर सर्वे के बाद यह बात उचित लगे और खाड़ी बाढ़ की समस्या स्थायी रूप से हल हो सकती हो, तो युद्धस्तर पर यह कार्य आरंभ कर लाखों लोगों को इस समस्या से मुक्ति दिलाई जानी चाहिए।

10 साल बाद भी देश की संसद के पास RTI पोर्टल नहीं है

डिजिटल इंडिया मिशन का जोर-शोर से प्रचार किया गया आज भी संसद में ऑनलाइन RTI दाखिल नहीं कर सकते

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डिजिटल इंडिया मिशन की 10वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, फिर भी नागरिक संसद में ऑनलाइन ऋझ्रढ्ढ आवेदन नहीं कर सकते; संसद का RTI पोर्टल अब तक विकसित नहीं हुआ

1 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री द्वारा डिजिटल इंडिया मिशन की शुरुआत की गई थी, जिसका उद्देश्य नागरिकों को पारदर्शी शासन देना और सूचनाओं को आसानी से सुलभ बनाना था। लेकिन आज, इस मिशन के 10 साल पूरे होने के बाद भी देश की संसद में RTI (सूचना का अधिकार) के लिए कोई ऑनलाइन पोर्टल उपलब्ध नहीं है। नागरिकों को यदि संसद से कोई जानकारी चाहिए तो उन्हें आज भी डाक के जरिए दिल्ली आवेदन भेजना पड़ता है।

RTI कानून और ऑनलाइन सुविधा की स्थिति:

2005 में संसद द्वारा पारित RTI कानून नागरिकों को जानकारी प्राप्त करने का अधिकार देता है। केंद्र सरकार ने अपने मंत्रालयों के लिए एक ऑनलाइन RTI पोर्टल (www.rtionline.gov.in) विकसित किया है, जो देश भर के नागरिकों को डाक या व्यक्तिगत रूप से आवेदन करने की समय और खर्च से राहत देता है। लेकिन इस पोर्टल पर संसद से संबंधित RTI डालने का विकल्प ही उपलब्ध नहीं है।

RTI कानून के अनुसार, संसद को एक "सक्षम प्राधिकरण" (Competent Authority) के रूप में अपनी स्वतंत्र प्रक्रिया और नियम स्थापित करने होते हैं। इसी कारण लोकसभा या राज्यसभा को लेकर ऋझ्रढ्ढ केंद्र सरकार के पोर्टल या संसद के किसी डिजिटल माध्यम से दाखिल नहीं की जा सकती।

डिजिटल संसद पोर्टल का उपयोग सीमित:

डिजिटल इंडिया मिशन के तहत "डिजिटल संसद" पोर्टल (https://sansad.in/) विकसित किया गया है, जिस पर सांसदों द्वारा पूछे गए सवाल और सत्र की जानकारी उपलब्ध है, लेकिन उल्लेखनीय बात

यह है कि इस पोर्टल से भी RTI आवेदन दायर नहीं किया जा सकता। अर्थात् न तो केंद्र सरकार का RTI पोर्टल और न ही संसद का डिजिटल पोर्टल RTI आवेदन की सुविधा देता है।

फिलहाल की प्रक्रिया कठिन और पुरानी:ऐसे में भारत के किसी भी नागरिक को यदि संसद से सूचना चाहिए, तो उसे 10 का डिमांड ड्राफ्ट या पोस्टल ऑर्डर बनाकर संसद भवन भेजना पड़ता है, या फिर लोकसभा सचिवालय के केंद्रीय जनसूचना अधिकारी (CPIO) के पास व्यक्तिगत रूप से जाकर आवेदन जमा करवाना पड़ता है।

RTI हेल्पलाइन के प्रयास और जवाब:RTI हेल्पलाइन - माहिती द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 9924085000 - ने जब लोकसभा सचिवालय के CPIO से संपर्क किया, तो उन्हें बताया गया कि "संसद का RTI ऑनलाइन पोर्टल बनाने की प्रक्रिया जारी है।" वहीं जब हेल्पलाइन ने "संसदीय कार्य मंत्रालयज्ञ* के CPIO से संपर्क किया, तो उन्होंने साफ कहा कि लोकसभा या राज्यसभा से संबंधित RTI उनके मंत्रालय में दाखिल नहीं की जा सकती, क्योंकि ऋझ्रढ्ढ कानून के अनुसार संसद एक "सक्षम प्राधिकरण" है और केंद्र सरकार के RTI नियम उन पर लागू नहीं होते।

निष्कर्ष :10 वर्षों की डिजिटल क्रांति और "डिजिटल इंडिया" के नारों के बावजूद, आज भी देश की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक संस्था - संसद - से जानकारी प्राप्त करने के लिए नागरिकों को पुराने और धीमे साधनों का उपयोग करना पड़ रहा है। RTI की पारदर्शिता और सुविधा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संसद का RTI पोर्टल जल्द से जल्द विकसित किया जाना समय की मांग है।

मंगल पाठ एवं विशाल भजन संध्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,माँ भीमेश्वरी देवी (श्री बेरीवाली माता) मंदिर के प्रथम पाटोत्सव के उपलक्ष में मंगल पाठ एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन शुक्रवार को किया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर माँ का भव्य दरबार न्यूसिटी लाइट स्थित देवसर माता मंदिर हॉल में सजाया जाएगा। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम साढ़े तीन बजे से मंगल पाठ का आयोजन पाठ वाचक सुरभि बिरजुका द्वार किया जाएगा। शाम छ बजे से आयोजित भजन संध्या में सुरेश जोशी, हीर ल शर्मा के अलावा कोलकाता के विकाश झा भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन के दौरान मंच का संचालन योगेश बंसल करेंगे। आयोजन में रात्रि आठ बजे से

महाप्रसाद एवं रात्रि नौ बजे माँ का ख़ज़ाना में इक्कीस चाँदी के सिक्के वितरित किया जाएँगे। इस मौके पर अखंड ज्योत, पुष्प वर्षा, इत्र फुहार, छप्पन भोग आदि कार्यक्रम भी होंगे।